Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwaparivar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 350 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शनिवार 27 जून 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची आएंगी भारत, प्रधानमंत्री मोदी ने दिया निमंत्रण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर, जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 1-3 जुलाई, 2026 को नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा करेंगी। यह समिट दोनों पक्षों को द्विपक्षीय सहयोग के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा करने और मजबूत करने के साथ-साथ परस्पर हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर देगा।

यह प्रधानमंत्री ताकाइची का भारत का पहला आधिकारिक दौरा होगा। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी अगस्त 2025 में जापान के दौरे पर पहुंचे थे, जहां वे 15वें भारत-जापान सालाना समिट में शामिल हुए।

यह भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और बढ़ाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दिखाता है। फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री मोदी ने हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स के चुनाव में जीत पर जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बधाई दी थी। एक सोशल मीडिया पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा था कि दोनों देशों के बीच स्पेशल स्ट्रेटेजिक और ग्लोबल पार्टनरशिप दुनिया भर में शांति, स्थिरता और खुशहाली बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। पीएम मोदी ने भरोसा जताया कि ताकाइची की काबिल लीडरशिप भारत-जापान दोस्ती को और ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने अगस्त 2025 में टोक्यो में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ भारत-जापान आर्थिक मंच कार्यक्रम के दौरान शीर्ष उद्योग जगत के नेताओं को संबोधित करते हुए दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी पर प्रकाश डाला और द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने के लिए पांच-पॉइंट रोडमैप पेश किया।उन्होंने कहा अभी भारत-जापान बिजनेस फोरम की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें कंपनियों के बीच हुई बिजनेस डील का विस्तार से वर्णन दिया गया है। इस प्रगति के लिए मैं आप सभी का बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूं। दो दिवसीय जापान दौरे पर पीएम मोदी ने प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष नुकागा फुकुशिरो और जापानी सांसदों के एक समूह के साथ एक बैठक की। इस दौरान भारत और जापान के बीच मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंधों पर चर्चा हुई। इसके अलावा, उन्होंने टोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों से मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने से संबंधित कई समझौते पर मुहर लगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सोच को साकार कर रहा टेक्सटाइल पार्क

■ स्थानीय रोजगार को मिलेगी नई उड़ान

रायपुर (विश्व परिवार). मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार नवा रायपुर को देश के प्रमुख टेक्सटाइल एवं गारमेंट निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि नवा रायपुर का टेक्सटाइल पार्क प्रदेश के युवाओं और महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार टेक्सटाइल पार्क में निवेशकों को विश्वस्तरीय अधोसंरचना और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय की गंभीर कोशिशों से नवा रायपुर के टेक्सटाइल पार्क में पहली यूनिट लगने जा रही है। 235 करोड़ रुपए के निवेश से लगने वाली इस यूनिट से 4600 से अधिक लोगों को रोजगार का मौका मिलेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने 25 जून को टेक्सटाइल पार्क की पहली गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का भूमिपूजन किया। तमिलनाडु की स्विफ्ट टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड यहां अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित कर रही है। कंपनी मुख्य रूप से बच्चों के कपड़े (किड्सवियर) और यूरोपीय व अमेरिकी बाजारों में निर्यात पर ध्यान केंद्रित करते हुए निट गारमेंट्स और कपड़े बनाएगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के टेक्सटाइल व गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश-विदेश में नई पहचान दिलाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के बड़े अवसर तैयार करने के विजन को साकार करने नवा रायपुर में 81 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है।

वेनेजुएला भूकंप में अब तक 589 लोगों की मौत

काराकस, वेनेजुएला। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भूकंप में अब तक 589 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि 2,980 लोग घायल हैं। वेनेजुएला में बुधवार यानी 25 जून को साल 1821 के काराबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मलबे के अंदर से आवाजें आ रहीं हैं। प्रशासन ने देर रात बताया कि 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। भूकंप की भयावहता की असल तस्वीर अभी आना बाकी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30 प्रतिशत आशंका है। इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 9.5 लाख करोड़ रुपए के नुकसान हो सकता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने आपातकाल लगा दिया है।

परिवहन सचिव ने ली बस संचालको एवं अधिकृत वेंडरों की बैठक

छत्तीसगढ़ में अब बिना लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम वाली यात्री बसों पर होगी कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में यात्री सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए परिवहन विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। अब सभी यात्री बसों में वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) लगाना और उसे सक्रिय रखना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर नियम का पालन नहीं करने वाले बस संचालकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम, 1988 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त श्री एस. प्रकाश ने आज इंद्रावती भवन नवा रायपुर स्थित परिवहन कार्यालय में सभी बस संचालकों एवं विभाग द्वारा वीएलटीडी लगाने हेतु अधिकृत वेंडरों की संयुक्त बैठक लेकर यात्री बसों में स्थापित वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा है कि जिन बसों में अभी तक वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) नहीं लगी है, उनमें 15 दिनों के भीतर इसे अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए। वहीं जिन बसों में यह उपकरण लगा हुआ है लेकिन संचालित नहीं है, उन्हें तत्काल चालू किया जाए। परिवहन विभाग के अनुसार वर्ष 2025 में राजस्थान के फलोदी और तेलंगाना के रंगारेड्डी में हुए भीषण सड़क हादसों के बाद सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है। सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करने वाली महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की जा रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला ट्रस्ट महासचिव चंपत राय का इस्तीफा

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी मंदिर की व्यवस्था से बाहर कर दिया गया है।

चंपत राय अनिल मिश्रा

चंपत के पास पूरे मंदिर की जिम्मेदारी थी। राय के बाद ट्रस्टी अनिल और गोपाल राव की मंदिर व्यवस्था में बड़ी भूमिका थी। एक हफ्ते पहले सीएम योगी अयोध्या दौरे पर गए थे। उस वक्त चंपत को उनके दौरे से दूर रखा गया था, तभी से यह सुगबुगाहट थी कि उन्हें हटाया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अब ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा। चढ़ावा चोरी मामले में गुरुवार देर शाम ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन शरद की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं। इसके बाद गुरुवार देर रात रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

आज शुक्रवार को सभी 8 आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। सीजेएम कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया है। अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। सोमवार को उन्हें दोबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा।

राहतः गैर-घरेलू एलपीजी पर लगाए गए सभी प्रतिबंध हटा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में पैदा हुए ऊर्जा संकट के कम होने के संकेतों के बीच केंद्र सरकार ने होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को फिर से सामान्य स्तर पर बहाल कर दिया है। इसके साथ ही हालिया संकट के दौरान लागू किए गए अधिकांश सेक्टर-विशिष्ट प्रतिबंध भी हटा लिए गए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि घरेलू उत्पादन में सुधार और आयातित एलपीजी कार्गो की उपलब्धता बढ़ने से आपूर्ति स्थिति बेहतर हुई है। इसी के मद्देनजर गैर-घरेलू पैक्ड एलपीजी पर लगाए गए सभी प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, संकट की शुरुआत में पूरी तरह रोकी गई बल्क एलपीजी सप्लाई को भी आंशिक रूप से बहाल करते हुए पूर्व खपत स्तर के 50 प्रतिशत तक अनुमति दे दी गई है। इससे औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। दरअसल, ईरान संघर्ष के बाद वेस्ट एशिया से एलपीजी आपूर्ति बाधित होने की आशंका पैदा हो गई थी। भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरत का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है।

बहुमंजिला भवनों में फायर और लिफ्ट सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करना होगा पालन

■ छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा निर्देश :

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के सभी नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों को बहुमंजिला भवनों में अग्नि सुरक्षा (फायर सेफ्टी) और लिफ्ट सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को एडवाइजरी भेजी है। जारी निर्देशों के अनुसार, बहुमंजिला आवासीय, वाणिज्यिक और मिश्रित उपयोग (मिक्स्ड यूज) भवनों में रहने वाले लोगों और आगंतुकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए फायर सेफ्टी और लिफ्ट संचालन से जुड़े सभी सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन कराया जाएगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह परामर्श राष्ट्रीय भवन संहिता, भारतीय मानक ब्यूरो के प्रासंगिक मानकों तथा छत्तीसगढ़ अग्नि एवं आपातकालीन सेवा अधिनियम, 2018 सहित अन्य लागू नियमों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। इनका उद्देश्य भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना, आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करना और दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करना है।

राज्य सरकार ने नगर निगम के सभी आयुक्तों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के सभी बहुमंजिला भवनों में इन दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें।

यातायात पुलिस मुख्यालय से जब्त एक्टिवा हुआ चोरी

■ ढाई महीने बाद वाहन लेने पहुंचे मालिक

रायपुर। राजधानी में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यातायात मुख्यालय परिसर में जब्त कर खड़ी की गई एक एक्टिवा रहस्यमय तरीके से चोरी हो गई। करीब ढाई महीने तक सरकारी परिसर में खड़ी रहने के बाद जब वाहन मालिक पक्ष उसे छुड़ाने पहुंचा तो एक्टिवा वहां से गायब मिली।

मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, प्रधान आरक्षक शरद धनगर ने शिकायत दर्ज कराई है। 3 मार्च को यातायात थाना फाफाडीह की टीम शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चला रही थी।

इस दौरान चालक विष्णु यादव को नशे की हालत में एक्टिवा चलाते पकड़ा गया। जांच में उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिला।वाहन में तीन लोग सवार थे और नंबर प्लेट भी निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं थी। इसके चलते मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए एक्टिवा जब्त कर ली गई।

10 से ज्यादा झुलसे, 5 गंभीर, मुहर्रम जुलूस में 200 लोग थे शामिल

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में गुरुवार रात ताजिया हाईटेंशन बिजली लाइन से टकरा गया। करंट की चपेट में 10 से अधिक लोग आ गए। इनमें 3 की मौत हो गई, जबकि 7 लोग घायल हैं। घायलों में 5 की हालत गंभीर है। सभी को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घटना पिपलोदा के हतनारा गांव की है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान रशीद खान, सद्दू हुसैन और अरबाज खान के रूप में हुई है। हालांकि अरबाज के परिजन उसे अस्पताल से कहीं और ले गए। इस कारण प्रशासन ने 2 मौतों की पुष्टि की है, जबकि ड्यूटी डॉक्टर रविंद्र सोलंकी ने 3 मौतों की पुष्टि की है।

विशेष लेख- सेवा सेतुः डिजिटल सुशासन की नई पहचान, जनता के द्वार- डिजिटल सरकार

■ अब 520 शासकीय सेवाएं घर बैठे एक क्लिक पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रशासनिक सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने की दिशा में सेवा सेतु पोर्टल एक प्रभावी और अभिनव डिजिटल माध्यम के रूप में स्थापित हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन और डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के डिजिटल इंडिया के विजन को साकार करते हुए सेवा सेतु के माध्यम से अब नागरिकों को अधिकांश शासकीय सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं।

ई-डिस्ट्रिक्ट से सेवा सेतु तक का सफर- पूर्व में राज्य में ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को केवल 86 शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही थीं। बदलते समय की जरूरतों के अनुरूप और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस व्यवस्था का विस्तार कर इसे सेवा सेतु के रूप में विकसित किया गया। आज यह पोर्टल 36 विभागों की 520 से अधिक शासकीय सेवाओं का एकीकृत डिजिटल मंच बन चुका है, जहां विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

इससे नागरिकों को अलग-अलग विभागों के कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती तथा आवेदन, ट्रैकिंग और सेवा प्राप्ति की पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और समयबद्ध हो गई है।

घर बैठे एक क्लिक में 520 शासकीय सेवाएं- इस सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिक अपने मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर से घर बैठे ही विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस पोर्टल से समय, श्रम और धन की बचत होने के साथ-साथ सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ी है।

सेवा सेतु पोर्टल पर उपलब्ध श्रेणीवार 520 प्रमुख सेवाओं में शामिल हैं— व्यवसाय, उद्योग एवं वाणिज्यिक सेवाएं -106, लाइसेंस, परमिट एवं विनियामक सेवाएं - 85, सामाजिक कल्याण, पेंशन एवं वित्तीय सहायता सेवाएं -65 शिक्षा, छात्रवृत्ति एवं शैक्षणिक सेवाएं- 58 भूमि, संपत्ति एवं राजस्व सेवाएं- 37, व्यक्तिगत पहचान एवं प्रमाण पत्र सेवाएं- 35, शासकीय अनुमोदन, अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं स्वीकृति सेवाएं 31, जन शिकायत, सुरक्षा एवं विधिक सेवाएं- 25, रोजगार, कौशल एवं श्रम सेवाएं- 19, केंद्र सरकार की सेवा-19, भुगतान, कर एवं वित्तीय लेनदेन सेवाएं- 18, कृषि, ग्रामीण एवं आजीविका सेवाएं-15, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाएं-7,

शासकीय प्रमुख सेवाएं- जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, राशन कार्ड संबंधी सेवाएं, पेंशन योजनाएं, नाम परिवर्तन सेवा, व्यापार लाइसेंस, विभिन्न विभागों की अन्य नागरिक सेवाएं,

ग्राम पंचायत स्तर तक डिजिटल सेवाओं का विस्तार: सेवा सेतु को केवल एक ऑनलाइन पोर्टल तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसकी पहुंच प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके प्रभावी संचालन हेतु पंचायत सचिवों, सेवा सेतु केंद्र संचालकों तथा संबंधित विभागीय कर्मचारियों को चरणबद्ध प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर तक डिजिटल सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना, नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना तथा शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार करना है। पंचायत स्तर पर सेवा सेतु केंद्रों को जनसुविधा का महत्वपूर्ण माध्यम बनाया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी डिजिटल सेवाओं का समान लाभ मिल सके।

उल्लेखनीय उपलब्धियां: सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से अब तक प्राप्त उपलब्धियां इसकी सफलता को प्रमाणित करती हैं— 36 विभागों की सेवाएं एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध। 520 से अधिक शासकीय सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध। 39 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त। 95.9 प्रतिशत आवेदनों का सफल निराकरण। 16,700 से अधिक सेवा केंद्र नागरिकों की सुविधा के लिए संचालित।

यह आंकड़े दर्शाते हैं कि सेवा सेतु नागरिकों के बीच एक विश्वसनीय, प्रभावी और पारदर्शी डिजिटल सेवा मंच के रूप में तेजी से स्थापित हो रहा है।

डिजिटल सुशासन की मजबूत पहल: सेवा सेतु केवल एक पोर्टल नहीं, बल्कि जनता के द्वार, डिजिटल सरकार की अवधारणा को साकार करने वाला सशक्त माध्यम है। इसके माध्यम से शासन और नागरिकों के बीच की दूरी कम हुई है तथा सरकारी सेवाएं पहले की तुलना में अधिक तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक बनी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक बिना किसी अनावश्यक परेशानी के, समयबद्ध तरीके से शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सके। सेवा सेतु इसी दिशा में डिजिटल सुशासन का एक महत्वपूर्ण और प्रभावी कदम साबित हो रहा है।

तेजबहादुर सिंह भुवाल, सहायक जनसंपर्क अधिकारी छत्तीसगढ़ शासन

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर संभाग
रायपुर, शनिवार 27 जून 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को 28 जून को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

दुर्ग (विश्व परिवार)। देश का भविष्य बचाओ, पोलियो की दवा हर बार पिलाओ के संदेश के साथ राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पल्स पोलियो अभियान की जिले में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अभियान का संचालन कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को 28 जून 2026 को निर्धारित बूथों पर तथा 29 एवं 30 जून को घर-घर भ्रमण कर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। निकटतम बूथ की सूची वेबसाईट www.durg.gov.in में उपलब्ध कराई गई है, जिसका अवलोकन कर बच्चों को पोलियों ड्राप सुगमता से पिलाई जा सकती है। दुर्ग जिले में कुल 257134 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शत-प्रतिशत सफलता हेतु शहरी दुर्ग में 172, शहरी भिलाई 317, धमधा 196, पाटन एवं शहरी चरोदा 232 एवं निकुम में 165 बूथ बनाया गया एवं 13 चलित एवं 25 ट्रांजिट कुल 1029 टीम बनाई गई। जिले के समस्त विकासखण्डों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों की पल्स पोलियो अभियान हेतु प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया गया है।

कोलिहापुरी की महिलाओं ने प्लास्टिक कचरे को बनाया आय का स्रोत

दुर्ग (विश्व परिवार)। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम दुर्ग जिले की ग्राम पंचायत कोलिहापुरी में देखने को मिला है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत कोलिहापुरी ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में एक ऐसा मॉडल विकसित किया है, जो अब पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत बन रहा है।

ग्राम पंचायत की महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने घर-घर से एकत्रित किए गए 2730 किलो प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण कर उसे अधिकृत पुनर्चक्रण इकाई को विक्रय किया। इस पहल से समूह को कुल 46 हजार 410 रूपए की आय प्राप्त हुई। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि कचरे का सही प्रबंधन किया जाए तो वह केवल अपशिष्ट नहीं, बल्कि आय का सशक्त माध्यम भी बन सकता है। कोलिहापुरी में अपनाई गई कार्यप्रणाली त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का उत्कृष्ट उदाहरण है।

ग्राम स्तर पर महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं प्रतिदिन घर-घर जाकर गीला, सूखा एवं प्लास्टिक कचरे का पृथक संग्रहण करती हैं तथा ग्रामीणों को स्रोत पर ही कचरा अलग-अलग रखने के लिए जागरूक करती हैं। विकासखंड स्तर पर संग्रहित प्लास्टिक को विकासखंड दुर्ग स्थित एमआरएफ-पीडब्ल्यूएमयू सेंटर में पहुंचाया जाता है, जहां उसे गुणवत्ता एवं प्रकार के आधार पर पीईटी, एचडीपीई, एलडीपीई सहित विभिन्न श्रेणियों में अलग

किया जाता है। इससे प्लास्टिक का बाजार मूल्य बढ़ जाता है।

विक्रय स्तर पर पृथक किए गए प्लास्टिक को अधिकृत रिसायकल इकाइयों को बेचा जाता है और प्राप्त राशि सीधे महिला समूहों के खातों में जमा की जाती है, जिससे उनकी आय और आर्थिक आत्मनिर्भरता में वृद्धि हो रही है। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के उद्देश्यों को साकार करने के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका के अवसर भी निर्मित कर रही है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुरूप ग्रामीणों को गीला, सूखा, घरेलू खतरनाक एवं प्लास्टिक कचरे को अलग-अलग रखने के लिए निरंतर जागरूक किया जा रहा है। प्लास्टिक कचरे की गुणवत्ता के अनुसार पृथक्करण से मिलने वाले बेहतर मूल्य की जानकारी के बाद महिलाओं ने कचरे को अब 'संपदा' के रूप में देखना शुरू कर दिया है। कोलिहापुरी की सफलता से प्रेरित होकर विकासखंड धमधा की ग्राम पंचायत लिटिया तथा विकासखंड पाटन की ग्राम पंचायत पतोरा और गाड़ाडीह में भी इसी मॉडल पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य संचालित किया जा रहा है। जिला प्रशासन का लक्ष्य आगामी समय में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में इस मॉडल को लागू करना है। कोलिहापुरी की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि स्वच्छता और आजीविका एक-दूसरे के पूरक हैं।

84.15 लाख के विकास कार्यों की सौगात, तीन वार्डों में महापौर ने किया भूमिपूजन

सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण से मिलेगी नागरिकों को बेहतर सुविधाएं, -सभी 60 वार्डों में विकास कार्यों को मिल रही प्राथमिकता

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए महापौर अलका बाघमार ने आज वार्ड क्रमांक .02 राजीव नगर में आर.सी.सी. नाली व पुलिया निर्माण कार्य एवंदेवेंद्र कसेर से आजाद दुर्गा चौक तक आरसी सी नाली निर्माण कार्य के अलावा वार्ड क्र.21 आशा नगर बंद गली में सी.सी. रोड निर्माण,सड़क नंबर 14 आशा नगर व सिंधिया नगर में नाली,पुलिया एवं वार्ड क्रमांक 51 दुर्गा चौक प्रगति नगर में सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यो का विधिवत भूमिपूजन किया। इस दौरान लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य शिव नायक, पार्षद विद्यावती सिंह,पार्षद साजन जोसफ, गोविंद्र देवांगन,रंजीता पाटिल,सावित्री दमाहे,जिला भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह,मनमोहन शर्मा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

बता दे कि वार्ड क.02 राजीव नगर में आर.सी.सी. नाली व पुलिया निर्माण कार्य लागत 15,25 के अलावा देवेंद्र कसेर से आजाद दुर्गा चौक तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य लागत 10 लाख और वार्ड क्रमांक 21 नाली/पुलिया 9.92 एवं आशा नगर बन्द गली में सीसी रोड निर्माण 9.92 से होगा निर्माण कार्य के अलावा वार्ड क्र.51 मधुबन नगर ठाकुर के घर से एक्का के घर तक गली नं. 01 से 03 तक सीमेंट सड़क निर्माण कार्य लागत राशि रु. 8.00 लाख, बोरसी उत्तर में पंचशील सेक्टर बी. के सड़क नं. 04 नरेन्द्र वर्मा के घर से कमलेश साहू के घर तक आर.सी.सी नाली व पुलिया निर्माण लागत राशि रु. 21.25 लाख एवं वार्ड क्र. 51 प्रदिप्ती नगर में 80 फिट रोड में रामटेके के घर तक रोड़ व नाली निर्माण कार्य लागत राशि रु.9.81 लाख का भूमि पूजन भूमिपूजन किया गया।महापौर ने भूमिपूजन के पश्चात कहा कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, जल निकासी की व्यवस्था बेहतर बनेगी तथा आम नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से राहत मिलेगी। वार्डवासियों से रूबरू हुई महापौर, समस्याओं के शीघ्र निराकरण का दिया आश्वासनभूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान महापौर अलका बाघमार ने वार्डवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। नागरिकों ने पेयजल, साफ-सफाई, सड़क एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़े विषयों को उनके समक्ष रखा। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि विकास कार्यो के साथ-साथ जनसमस्याओं के निराकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वार्डवासियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए निगम प्रशासन लगातार क्षेत्रीय स्तर पर निगरानी कर रहा है। -सभी 60 वार्डों में विकास कार्यों को मिल रही प्राथमिकता, महापौर ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सभी 60 वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित पार्षदों के साथ समन्वय स्थापित कर वार्डों की समस्याओं का सर्वेक्षण करें तथा प्राथमिकता के आधार पर प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें, ताकि आवश्यक कार्यों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान कर अमल में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि शहर के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए निगम प्रशासन प्रतिबद्ध है।

कलेक्टर ने स्मार्ट क्लास की पढ़ाई शुरू नहीं होने पर शिक्षक को लगाई फटकार

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (विश्व परिवार)। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने सारंगढ़ ब्लॉक के हाईस्कूल छिंद का औचक निरीक्षण और महतारी सदन के निर्माण का अवलोकन किया। स्कूल में सभी कक्षा के अवलोकन के दौरान स्मार्ट क्लास और लैब में कंप्यूटर के ऊपर धूल से भरे कपड़ा ढ़के होने पर कलेक्टर ने प्रभारी शिक्षक से जानकारी ली और फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि अभी 16 से 25 जून हो गया और तुम्हारा कम्प्यूटर का धूल नहीं उड़ा, चालू नहीं हुआ, 4 स्कूल का प्रभार है तो सबका यही हाल होगा। सभी स्कूल में कार्य अच्छे से करो नहीं तो सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसी प्रकार लैब के शिक्षक को भी डांटी। स्कूल में कम्प्यूटर क्लास नहीं होने पर कलेक्टर प्राचार्य पर भी नाराज हुई। उन्होंने सरपंच को स्कूल की पढ़ाई, शिक्षक की उपस्थिति को चेक करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूली बच्चों को गीला और सूखा कचरा को अपने अपने घरों में अलग अलग रखने, सभी परिवारिक सदस्यों के आदत में शामिल करने के लिए कार्य करने के लिए कहा। इस दौरान विद्यार्थी पुष्पा साहू और शौर्य डहरिया ने सूखा और गीला कचरा प्रबंधन की जानकारी दी।

कलेक्टर ने सभी बच्चों को हाल में बैठाकर अपने उद्बोधन में कहा कि, सभी बच्चे पढ़ाई अच्छे से करें। जितना सम्भव हो उतना घंटा पढ़े। उन्होंने कैरियर की तैयारी के संबंध में कहा कि पढ़ाई 18 घंटे नहीं, बल्कि रोजाना पढ़ाई किए विषय की जानकारी हुई या नहीं। यह बात पढ़ाई की गंभीरता को प्रदर्शित करती है। उन्होंने नियमित अख़बार पढ़ने के लिए स्कूली बच्चों को प्रोत्साहित किया। जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन ने कहा कि, 11वी, 12वी का उम्र 18 साल के आसपास का उम्र सिखने का सही उम्र है। सभी बच्चे जो पढ़ाई के स्थान पर कौशल विकास और आईटीआई से मेकेनिक, मिस्त्री, टेक्निकल कर्मचारी जैसे कई प्रकार के रोजगारमूलक पढ़ाई करना चाहते हैं तो वो उसी कोर्स की पढ़ाई करें ताकि रोजगार मिले।

ई-चालान के नाम पर हो रही साइबर ठगी से रहे सावधान

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। परिवहन विभाग द्वारा नागरिकों को ई-चालान के नाम पर हो रही साइबर ठगी से सतर्क रहने की अपील की गई है। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि साइबर अपराधी परिवहन विभाग की वेबसाइट के समान क्लोन पेज तैयार कर नागरिकों को ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन का भय दिखाते हुए फर्जी संदेश एवं लिंक भेज रहे हैं। इन लिंक पर क्लिक करने के बाद नागरिकों से उनकी व्यक्तिगत जानकारी, बैंक खाता, डेबिट-क्रेडिट कार्ड अथवा यूपीआई संबंधी जानकारी प्राप्त कर धोखाधड़ी की जा रही है। उन्होंने नागरिक से किसी भी संदिग्ध लिंक, शॉर्ट लिंक अथवा अज्ञात वेबसाइटों पर क्लिक नहीं करने कहा है। ऐसे फर्जी लिंक प्रायः अज्ञात मोबाइल नंबरों से भेजे जाते हैं तथा इनमें शासकीय डोमेन के स्थान पर संदिग्ध डोमेन नामों का उपयोग किया जाता है। इन संदेशों में तत्काल भुगतान करने अथवा कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर लोगों पर दबाव बनाया जाता है। कई मामलों में लिंक खोलने पर सीधे कार्ड, बैंक खाता अथवा यूपीआई संबंधी जानकारी मांगी जाती है तथा कभी-कभी मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड करने के लिए भी कहा जाता है।

उन्होंने कहा कि वास्तविक ई-चालान की जानकारी प्राप्त करने के लिए केवल परिवहन विभाग की अधिकृत वेबसाइट https://echallan.parivahan.gov.in का ही उपयोग करें। वेबसाइट के पेज ऑनलाईन विकल्प में जाकर चालान नंबर एवं कैप्चा कोड दर्ज कर गेट डिटेल पर क्लिक करने के पश्चात मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से चालान का विवरण देखा जा सकता है।

नवा रायपुर को मिली आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। नवा रायपुर के सेक्टर-9 में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित एक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी थे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किसी भी राज्य के विकास का महत्वपूर्ण आधार होता है। नवा रायपुर में इस अत्याधुनिक अस्पताल की शुरुआत से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा और अधोसंरचना के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश

के लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है।मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश के तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि एक समय जिन चुनौतियों की चर्चा होती थी, आज उन्हें पीछे छोड़ते हुए राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रदेश में निवेश बढ़ रहा है, उद्योगों का विस्तार हो रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश और आधुनिक अस्पतालों की स्थापना से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार के प्रयासों और निजी क्षेत्र की सहभागिता से प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना लगातार मजबूत हो रही है।

जिसका लाभ आम नागरिकों को मिल रहा है।

बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा और रायपुर में अवैध भंडारण के सबसे ज्यादा मामले

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सख्त प्रशासनिक रुख का असर अब खनिज माफियाओं पर साफ दिखाई देने लगा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्यभर में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत ताबड़तोड़ कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। राज्य में अप्रैल और मई 2026 के दौरान उक्त कार्रवाई के तहत 1,747 प्रकरण दर्ज कर 6 करोड़ 49 लाख 50 हजार 903 रुपये से अधिक की दाण्डिक राशि वसूल की गई है। अभियान के दौरान सबसे अधिक 1,487 मामले अवैध परिवहन के सामने आए, जबकि 231 प्रकरण अवैध उत्खनन और 29 मामले अवैध भंडारण के दर्ज किए गए। इससे यह पता चलता है कि सरकार ने खनिजों की पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर कड़ी निगरानी रखते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। अवैध उत्खनन के मामलों में बलौदाबाजार-भाटापारा जिला सबसे ऊपर रहा है, जहां 44 प्रकरण दर्ज किए गए। इसके बाद रायपुर में 15 तथा कबीरधाम में 14 और बालोद में 14 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। दूसरी ओर, अवैध परिवहन के सबसे अधिक रायपुर में 173 मामले दर्ज हुए। इसके बाद जांजगीर-चांपा में 162, बिलासपुर में 101 और धमतरी में 101 मामले पकड़ में आए हैं। अवैध भंडारण के सर्वाधिक 8 प्रकरण रायपुर में दर्ज किए गए, जबकि दंतेवाड़ा में 4 तथा कांकेर में 3 और बिलासपुर में 3 मामले पकड़ाए हैं। अवैध उत्खनन में सबसे अधिक 55.32 लाख रुपये की दाण्डिक राशि दंतेवाड़ा जिले में वसूल की गई है। अवैध परिवहन में सर्वाधिक 54.69 लाख रुपये रायपुर से वसूले गए, जबकि अवैध भंडारण में भी सबसे अधिक 12.58 लाख रुपये की दाण्डिक राशि रायपुर में वसूली गई। इस प्रकार कुल दांडिक राशि की वसूली के मामले में रायपुर जिला पूरे प्रदेश में सबसे आगे रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्रं./32540/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 24-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32540
वार्ड का नाम- 58 शहीद पंकज विक्रम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **58** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR447B00300** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PREETI JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAMAN KUMAR BANSAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O JUGAL KISHORE BANSAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./32674/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 26-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32674
वार्ड का नाम-35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **35** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235J00246** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MUKESH KUMAR S/O RAVI LAL BHAI , CHANDRAKANT S/O RAVI LAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मुकेश कुमार रवि लाल टांक HUF, चन्द्रकान्त रविलाल टांक HUF,** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री रविलाल टांक** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र रजिस्ट्री कापी HUF,** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./32668/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 26-06-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32668
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **27** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737A00064** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAMAKRISHNA DHURVE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **दिवाकर राव धुर्वे, कमलाकर राव धुर्वे, सुभाष धुर्वे, संतोष राव धुर्वे, सरला अवनट, रत्ना कुम्भलकर, मया धुर्वे, नेहा कौशिक** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. राम कृष्ण धुव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/.../ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए युवाओं की भागीदारी आवश्यक : अधीक्षक

कवर्धा (विश्व परिवार)। कबीरधाम जिले में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कबीरधाम पुलिस एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी करपात्री जी स्टेडियम, कवर्धा में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह छवई (आईपीएस) रहे। कार्यक्रम का संचालन समाज कल्याण विभाग की उप संचालक श्रीमती अभिलाषा पांडा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु जन-जागरूकता विकसित करना था। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं एवं नागरिकों को नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प दिलाया गया।

कार्यक्रम के दौरान नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बालक एवं बालिका वर्ग की विभिन्न दौड़

प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बालक वर्ग में 800 मीटर एवं 100 मीटर दौड़, जबकि बालिका वर्ग में 400 मीटर एवं 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा शील्ड एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई तथा खेलों के माध्यम से स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह छवई ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए गंभीर चुनौती है। युवाओं को अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल, कौशल विकास एवं सकारात्मक गतिविधियों में लगाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे के विरुद्ध जनभागीदारी ही इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह द्वारा स्वामी विवेकानंद अकादमी के फिजिकल प्रशिक्षक आरक्षक दशरथ साहू एवं महिला सैनिक सुश्री रीना शर्मा को उनके उत्कृष्ट प्रशिक्षण, अनुशासन एवं युवाओं के शारीरिक विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए शील्ड एवं प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने दोनों प्रशिक्षकों के समर्पण एवं कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को सही दिशा देने में प्रशिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस विभाग के प्रधान आरक्षक घनाराम सिन्हा, स्वामी विवेकानंद अकादमी के अभ्यर्थी, फिजिकल प्रशिक्षक आरक्षक दशरथ साहू, महिला सैनिक सुश्री रीना शर्मा सहित बड़ी संख्या में युवा एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन नशामुक्त भारत एवं स्वस्थ समाज निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, शनिवार 27 जून 2026

नव निर्वाचित उपाध्यक्ष अंशुल गोयल वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच किया पदभार ग्रहण

राजनीतिक मतभेद एवं द्वेष भुला कर की जनता की उम्मीदो पर उतारे खरा -सफी अहमद

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- नवगठित शिवनंदनपुर नगर पंचायत के प्रथम निर्वाचित उपाध्यक्ष के रूप में कांग्रेस नेता अंशुल गोयल ने नगर पंचायत कार्यालय में विधिवत अपना पदभार ग्रहण किया।उल्लेखनीय है कि नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर के चुनाव के उपरांत जहां अध्यक्ष पद पर भाजपा ने कब्जा किया है वहीं उपाध्यक्ष पद पर कांग्रेस के अंशुल गोयल ने बाजी मारते हुए कई राजनीतिक समीकरणों को धत्ता बता कर उपाध्यक्ष पद के कुर्सी पर आसीन हुए । विदित हो कि नाटकीय घटनाक्रम में 8-8 पार्षद की संख्या होने के पश्चात भी अंशुल गोयल ने उपाध्यक्ष पद कांग्रेस की झोली में लाते हुए नगर पंचायत में प्रथम उपाध्यक्ष के रूप में परचम लहराया। विगत दिनों दल-बल के साथ अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था।उसके पश्चात शुक्रवार को वरिष्ठ नेताओं व पूर्व जन प्रतिनिधियो व बड़ी तादाद में उपस्थित कार्यकर्ताओं व कांग्रेस नेताओं के साथ पंडित बालकृष्ण गर्ग जी महाराज ने अपने सहयोगी ब्राह्मण कुमार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कर वैदिक मंत्रोचार के बीच में अंशुल गोयल को उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण कराया ।

उक्त अवसर पर नगर निगम अम्बिकापुर के नेता प्रतिपक्ष सफी अहमद ने नव निर्वाचित नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल एवं कांग्रेस पार्षदों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता ने आप पर विश्वास की है आप जनता की उम्मीद पर खरा उतरे आपसी मतभेद मनभेद बुलाकर राजनीति के विद्वेष को त्याग कर केवल जैन उपकारी कार्यों में मन लगाए। इस अवसर पर पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े, सुभाष गोयल, पालू राम तायल, खजान चंद जिंदल, राकेश सिंह, नरेश राजवाड़े, कुसुम लता राजवाड़े, मोहन गोयल, विजय गोयल, रमेश दनोदिया, नरेंद्र जैन, सुनील अग्रवाल, प्रवेश गोयल, नवनिर्वाचित पार्षद चंदन सिंह, बिश्रामपुर के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष आशीष यादव, केबी सिंह, रामलाल सोनी, मुकेश अग्रवाल, अनुपम फ्लिफ़ चंदा सिंह, आकाश साहू,विजेंद्र सिंह,वेदप्रकाश मिश्रा, रामनारायण सिंह, शिवनंदनपुर के पूर्व सरपंच श्रीमती विमला सिंह,अतुल मित्तल, शमा परवीन, नगर पंचायत कि कांग्रेस प्रत्याशी रहे संजय सोनी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन अग्रवाल, रामचंद्र यादव, गौरव गोयल, विकास गोयल, अजेय पार्षद अहमद वाहिद, अशोक जिंदल, सन्नी अग्रवाल, पंडित पीयूष तिवारी, छितिज सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, परवीन बेगम, अनूप गोयल, राजेंद्र गुड्डू ठाकुर, धनवीर खेड़ा व नगरवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय कोयला खदान माधुरी संग ने रे हर भूमिगत खदान में गेट मीटिंग किया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- एस ई सी एल बिश्रामपुर क्षेत्र के रेहर भूमिगत खदान में एन सी डब्लू ए - 12 के गठन में हो रहे विलम्ब सम्बन्ध में भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं ने संगठन के सभी पदाधिकारियों के साथ जन जागरण करते हुए खदान परिसर में गेट मीटिंग की । उक्त गेट मीटिंग में में संगठन के क्षेत्रीय समन्नवयक एवं आई आर प्रभारी राजेश सिंह सहित अशोक सिंह , (सदस्य क्षेत्रीय कल्याण समिति) , हेमंत कुमार , (मंत्री केंद्रीय) राजेंद्र प्रधान , (सदस्य क्षेत्रीय कल्याण समिति) , रन साय , (मंत्री केंद्रीय) एवं खदान के सभी सम्मानित सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित थे ।

वी बिज़नेस एमएसएमई ग्रोथ इनसाइट्स स्टडी: 57 फीसदी एमएसएमई, एआई को बिज़नेस बढ़ाने का ज़रूरी ज़रिया मानते हैं; 25 फीसदी पहले से ही एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं

मुंबई : जैसे-जैसे भारत एआई अडॉप्शन और डेटा सेंटर हब के तौर पर तेज़ी से एक ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है, जीडीपी में 31 प्रतिशत से अधिक योगदान देने वाला एमएसएमई सेक्टर भी इसे तेज़ी से अपना रहा है। वी बिज़नेस एमएसमएई ग्रोथ इनसाइट्स स्टडी 2026 के ताज़ा एडिशन में पाया गया कि सर्वे में शामिल 57 फीसदी बिज़नेस एआई को एक मुख्य टूल मानते हैं जो बिज़नेस की ग्रोथ को बढ़ा सकता है, और 25 फीसदी बिज़नेस पहले ही अपने कामकाज और ऑपरेशनल वर्कफ्लो में एआई को शामिल कर चुके हैं। यह वी बिज़नेस के रैडी फॉर नेक्स्ट प्लेटफ़ॉर्म से मिली जानकारियों पर आधारित है - जो छोटे और मध्यम बिज़नेस के लिए भारत की सबसे बड़ी डिजिटल एडवाइज़री है और जिसने 16 सेक्टरों में 2.5 लाख से अधिक एमएसएमई के साथ काम किया है। इस साल, डिजिटल मैच्योरिटी इंडेक्स बढ़कर 60.8 हो गया, जो 2025 में 58.0 और 2023 में 55.9 था। स्टडी में तीन ऐसे टेक्नोलॉजी फैक्टर्स की भी पहचान की गई है जो एमएसएमई के विस्तार के अगले चरण को आकार देंगे। इनमें शामिल हैं- प्रोडक्टिविटी और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाने के लिए एआई, बड़े पैमाने पर ऑपरेशन्स को सक्षम करने के लिए एसएएएस-आधारित वर्कप्लेस सहयोग, और भरोसा, मज़बूती और बिज़नेस की निरंतरता बनाए रखने के लिए साइबर सुरक्षा। इस अवसर पर बोलते हुए, वोडाफ़ोन आइडिया लिमिटेड के चीफ एंटरप्राइज बिजनेस ऑफ़िसर, एम पी सुनील कुमार ने कहा, भारत के एमएसएमई बुनियादी डिजिटलीकरण से आगे बढ़कर बुद्धिमान, सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार उद्यम बनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं। एआइ का बढ़ता अडॉप्शन, डिजिटल परिपक्वता के बढ़ते स्तर और कार्यस्थल तथा परिचालन तकनीकों में बढ़ता निवेश एक स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है। वैश्विक टेक दिग्गजों के साथ सहयोग करके, वी बिज़नेस क्लाउड, सुरक्षा, संचार और अन्य उद्यम समाधानों में समाधान प्रदान करने के लिए अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, जिससे मापने योग्य और प्रभावशाली परिणाम मिल रहे हैं। वित्तीय तैयारी के द्वारा हमारा लक्ष्य एक समावेशी इकोसिस्टम ब्लूप्रिंट प्रदान करना है जो छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों को सुरक्षित करने और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजार में स्थायी रूप से विस्तार करने में मदद करे।

अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग ने की बड़ी कार्रवाई: खनिज माफ़ियाओं में मचा हड़कंप

कोरबा। जिले में अवैध खनन और खनिज परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खनिज माफ़ियाओं में हड़कंप मचा दिया है। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश और उप संचालक खनि प्रशासन के मार्गदर्शन में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान विभागीय उड़नदस्ता दल ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित रेत और परिवहन में लगे वाहनों को जब्त किया है।

खनिज विभाग की टीम ने 24 जून को जिले के सलिहाभाटा, भैसामुड़ा, कटबिटला, कुदमुरमाल, सोनपुरी सीतामढ़ी, बरमपुर, राताखार, पोड़ी, कछार, चुहिया, बाल्को, कसनिया और कटघोरा सहित कई संदिग्ध क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से रेत का उत्खनन और परिवहन करते पाए गए एक टीपर और दो ट्रैक्टरों को जब्त किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली छात्रा कु. चंचल सिंह को सम्मान

पन्द्रह हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि से जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने किया प्रदान

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-प्रतिभा, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट परिचय देते हुए शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विश्रामपुर की कक्षा दसवीं की छात्रा कु. चंचल सिंह पिता जयपाल सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर जिले एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। सत्र 2024-25 राजधानी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय अंडर-17 बालिका बेसबॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम की खिलाड़ी के रूप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। उनके उत्कृष्ट खेल कौशल की बदौलत छत्तीसगढ़ की टीम फाइनल तक पहुंची और सिल्वर मेडल (उपविजेता) हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के सम्मानस्वरूप लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई), रायपुर द्वारा कु. चंचल सिंह को ?15,000 (पंद्रह हजार रुपये) की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई। इस राशि का चेक जिला शिक्षा अधिकारी, सूरजपुर अजय कुमार मिश्रा ने अपने कार्यालय में आयोजित गरिमामय समारोह में छात्रा को प्रदान किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री मिश्रा ने छात्रा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कु. चंचल सिंह की सफलता न केवल सूरजपुर जिले, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि कठिन परिश्रम, लगन और आत्मविश्वास के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

कु. चंचल सिंह की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार, जिले एवं समूचे छत्तीसगढ़ में हर्ष का वातावरण है। विद्यालय के प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि यह सम्मान न केवल उनकी मेहनत और प्रतिभा का गौरवपूर्ण सम्मान है, बल्कि प्रदेश की बेटियों को खेलों के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुँचने की प्रेरणा भी प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कु. चंचल सिंह भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

कार्यक्रम में क्रीड़ा अधिकारी एस.के. शुक्ला, विद्यालय की व्यायाम शिक्षिका शोभना रंजीत तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के आर एन पटेल तथा अन्य उपस्थित जनों ने छात्रा का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मिथक या सच्चाई: क्या बादाम खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है?

बादाम लंबे समय से रोजमर्रा के आहार का लोकप्रिय हिस्सा रहे हैं। इन्हें भोजन के साथ पौष्टिक रूप में खाया जाता है, नाश्ते की दिनचर्या में शामिल किया जाता है और मीठे व नमकीन दोनों तरह के व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है। अपनी लोकप्रियता के बावजूद, एक धारणा बार-बार सामने आती है, खासकर गर्मियों के महीनों में ङ्क क्या बादाम खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है?

गर्मियों के दौरान कई लोग बादाम खाने को लेकर सावधानी बरतते हैं, क्योंकि उनका मानना होता है कि इससे शरीर में गर्मी बढ़ सकती है या गर्म मौसम में असहजता हो सकती है। लेकिन क्या यह चिंता वास्तव में तथ्यों पर आधारित है, या फिर यह उन कई खाद्य मिथकों में से एक है जो समय के साथ प्रचलित हो गए हैं?

इस धारणा को समझना- बादाम शरीर में गर्मी पैदा करते हैं, यह धारणा अक्सर इस बात से जुड़ी होतीहै कि कुछ खाद्य पदार्थों को किस नजरिए से देखा जाता है, न कि इस आधारपर कि वे पोषण के स्तर पर वास्तव में कैसे काम करते हैं। चूंकि बादामपोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इनमें प्राकृतिक रूप से हेल्दी फैट, प्रोटीनऔर फाइबर अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, इसलिए कुछ लोग इन्हें भारी भोजन मान लेते हैं, जो शरीर में गर्माहट का एहसास बढ़ा सकते हैं। हालांकि, ऐसा कोई प्रमाण नहीं है जो यह दर्शाता हो कि गर्म मौसम में बादाम का सेवन करना उपयुक्त नहीं है। वास्तव में, संतुलित आहार का हिस्सा के रूप में बादाम का सेवन सभी आयु वर्ग के लोग और विभिन्न जीवनशैलियों वाले लोग पूरे वर्ष भर करते हैं। संतुलित पोषण संबंधी दृष्टिकोण के तहत, विशेषज्ञ बादाम को व्यापक रूप से आहार में शामिल करने की सलाह देते हैं। रितिका समद्दार रीजनल हेड डायटेटिक्स मैक्स हेल्थकेयरङ्कनई दिल्ली बताती हैं, हम अपने दिन की शुरुआत जिस तरह करते हैं, उसका पूरे दिन शरीर के काम करने के तरीके पर गहरा प्रभाव पड़ता है। नियमितता और पौष्टिकता पर आधारित संतुलित दिनचर्या ऊर्जा स्तर, पाचन और लंबे समय तक स्वास्थ्य से जुड़े परिणामों सहित कई पहलुओं को प्रभावित कर सकती है। मैं अपने सभी मरीजों को रोजाना के आहार में पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड्स को शामिल करने की सलाह देती हूं, क्योंकि यह समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के सबसे सरल तरीकों में से एक है।

रोजमर्रा के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड- कैलिफोर्निया बादाम 24 पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जिनमें विटामिन ई, प्रोटीन, फाइबर, मैग्नीशियम, राइबोफ्लेविन, फॉस्फोरस और जिंक शामिल हैं। यही कारण है कि इन्हें पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड माना जाता है, जिन्हें आधुनिक जीवनशैली में आसानी से शामिल किया जा सकता है। प्रोटीन, हेल्दी फैट और फाइबर का उनका संयोजन शरीर को लंबे समय तक पोषण प्रदान करता है और पेट भरे होने का एहसास बनाए रखने में मदद करता है, जिससे बादाम दिनभर के लिए एक संतोषजनक विकल्प बन जाते हैं।

अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के विपरीत, जो ऊर्जा के स्तर में अचानक बढ़ोतरी और फिर गिरावट का कारण बन सकते हैं, बादाम निरंतर पोषण प्रदान करते हैं।

कुष्ठ प्रभावितों और उनके बच्चों को मिलेगा नि:शुल्क आईटीआई प्रशिक्षण

स्वास्थ्य विभाग ने 12 हितग्राहियों का भेजा प्रस्ताव

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों एवं उनके बच्चों के पुनर्वास तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में विकासखंड सारंगढ़ ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पेन्द्र वैष्णव के नेतृत्व में 12 हितग्राहियों का चयन कर उनका प्रस्ताव छत्तीसगढ़ वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर चांपा को भेजा गया है। चयनित हितग्राहियों को विभिन्न आईटीआई ट्रेडों में 1 से 2 वर्ष का नि:शुल्क प्रशिक्षण एवं नि:शुल्क आवासीय छात्रावास सुविधा प्रदान की जाएगी। यह प्रशिक्षण राज्य एवं केंद्र शासन से मान्यता प्राप्त संस्थान द्वारा संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद शासकीय, अर्धशासकीय एवं निजी संस्थानों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। यह पहल कुष्ठ रोग से जुड़े सामाजिक कलंक और भेदभाव को समाप्त करने तथा प्रभावित परिवारों को सम्मानजनक जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इस कार्य में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ रामलाल सिदार, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक नन्दलाल ईजारदार, जिला कुष्ठ सलाहकार एच के तिवारी, पर्यवेक्षक आर के मैत्री, ब्लॉक नोडल लेप्रोसी जितेन्द्र यादव तथा मिशन ट्रांसमिशन फ्री प्रोजेक्ट का विशेष योगदान रहा। स्वास्थ्य विभाग सारंगढ़ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने चयनित हितग्राहियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षा के क्षेत्र में सूरजपुर की ऊँची उड़ान : राज्य के शीर्ष पाँच में जिले के तीन पीएम श्री विद्यालय

विगत तीन वर्षों के प्रदर्शन मूल्यांकन में जयनगर, बतरा एवं प्रेमनगर के विद्यालयों ने बढ़ाया जिले का मान

प्राचार्यों ने रायपुर में प्राप्त किया राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- पीएम श्री विद्यालयों के प्राचार्यों की राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला रायपुर में आयोजित की गई, जिसमें जिले की उपलब्धियों ने सूरजपुर को पूरे छत्तीसगढ़ में गौरवान्वित किया है। पीएम श्री नोडल श्री चंद्रपाल कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में पीएम श्री प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधान पाठकों एवं प्राचार्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने विद्यालयों की गुणवत्ता, नवाचार, प्रभावी नेतृत्व तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जिले के लिए सर्वाधिक गौरव का विषय यह रहा कि विगत तीन वर्षों के पीएम श्री विद्यालयों के प्रदर्शन मूल्यांकन में राज्य के शीर्ष पाँच विद्यालयों में सूरजपुर जिले के तीन विद्यालयों ने स्थान प्राप्त किया। इनमें पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जयनगर, पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बतरा तथा पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रेमनगर सम्मिलित हैं। यह उपलब्धि जिले की उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्कृति, दूरदर्शी नेतृत्व एवं समर्पित शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने इस उपलब्धि पर खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा कि राज्य के शीर्ष पाँच पीएम श्री विद्यालयों में जिले के तीन विद्यालयों का स्थान बनाना समस्त शिक्षक साथियों, प्राचार्यों एवं विद्यार्थियों के सतत परिश्रम का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है, किंतु इसे अंतिम लक्ष्य न मानते हुए निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा के रूप में लिया जाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि शिक्षा की यह गुणवत्ता केवल चुनिंदा विद्यालयों तक सीमित न रहे, बल्कि जिले के प्रत्येक विद्यालय एवं प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुँचे। उन्होंने शिक्षकों एवं प्राचार्यों से आह्वान किया कि वे इसी समर्पण के साथ कार्य करते हुए सूरजपुर को शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श जिला बनाने में अपना योगदान दें।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कुमार मिश्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पीएम श्री विद्यालय योजना का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण, अनुकरणीय एवं भविष्योन्मुखी शिक्षा का केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि राज्य के शीर्ष पाँच विद्यालयों में जिले के तीन विद्यालयों का चयनित होना यहाँ के शिक्षकों की कठोर मेहनत, प्राचार्यों के प्रभावी नेतृत्व एवं विद्यार्थियों की लगन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। श्री मिश्रा ने कहा कि शिक्षा विभाग निरंतर इस दिशा में प्रयासरत है कि जिले के समस्त विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता, नवाचार एवं अधोसंरचना को और सुदृढ़ किया जाए, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने समस्त प्राचार्यों, प्रधान पाठकों एवं शिक्षकों को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए भविष्य में और बेहतर परिणाम देने का आह्वान किया।

जिला मिशन समन्वयक श्री मनोज कुमार साहू ने उपलब्धि पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन में आज सूरजपुर केवल उत्कृष्ट परिणामों के कारण नहीं, बल्कि सीखने की संस्कृति, टीमवर्क एवं नवाचार की सोच के कारण पूरे राज्य में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है।

उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रत्येक प्राचार्य, प्रधान पाठक, शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षा विभाग के सामूहिक समर्पण का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सूरजपुर आने वाले वर्षों में भी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 27 जून 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

जल शक्ति: विकसित भारत की यात्रा को दे रही है गति

सी. आर. पाटिल

क्या आप जानते हैं कि जल जीवन मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण पेयजल आपूर्ति कार्यक्रम है? या फिर स्वच्छ भारत मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण स्वच्छता अभियान है, जिसने लोगों की सोच और व्यवहार में अभूतपूर्व बदलाव लाया है? और क्या आपको पता है कि नमामि गंगे आज दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी नदी पुनर्जीवन योजनाओं में शामिल है? ये सभी पहल केवल सरकारी योजनाएं नहीं हैं, बल्कि इस बात का उदाहरण हैं कि 145 करोड़ आबादी वाला भारत किस तरह पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है।जब इतिहासकार भारत की विकास यात्रा को देखेंगे, तो संभव है कि वे पिछले 12 वर्षों को वह दौर बताएं, जब %जल% देश के विकास का सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया। मानव सम्मान, आर्थिक विकास, जनस्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण संरक्षण पर पानी जितना प्रभाव डालता है, उतना शायद ही कोई दूसरा क्षेत्र डालता हो। लेकिन कई दशकों तक भारत में जल संबंधी समस्याओं का समाधान अलग-अलग और बिखरे हुए तरीकों से किया जाता रहा। पिछले कुछ वर्षों में सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत, गंभीर और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया गया, जिसका नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया।पिछले 12 वर्षों में जल क्षेत्र में जितने बड़े पैमाने पर निवेश और काम हुआ है, वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। लेकिन इस बदलाव की अहमियत केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। आज पानी को पूरे देश की साझा प्राथमिकता माना जा रहा है, जिसमें सभी विभाग, राज्य, समुदाय और आने वाली पीढ़ियाँ भागीदार हैं। पहले जल क्षेत्र को उतनी प्राथमिकता नहीं मिलती थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जल क्षेत्र की योजना, प्रबंधन और सेवाओं से जुड़ी वर्षों पुरानी कमियों को दूर करने की जिम्मेदारी उठाई।इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण जल जीवन मिशन है। जब यह मिशन शुरू हुआ था, तब केवल लगभग 3.23 करोड़ ग्रामीण परिवारों, यानी करीब 17 प्रतिशत ग्रामीण घरों में ही नल से जल की सुविधा थी। आज 15.8 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों, यानी 81 प्रतिशत से ज्यादा ग्रामीण घरों तक नल से पानी पहुँच चुका है। सरकार का लक्ष्य 2028 तक 100 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को

यह सुविधा उपलब्ध कराना है। लाखों परिवारों, खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए यह केवल पानी की सुविधा नहीं है, बल्कि उनके जीवन में आया एक बड़ा बदलाव है।अध्ययनों के अनुसार, पहले भारत की ग्रामीण महिलाओं को हर साल पानी लाने में अरबों घंटे खर्च करने पड़ते थे। अब घर-घर नल से पानी पहुंचने के कारण हर दिन 5.5 करोड़ से अधिक व्यक्ति-घंटों की बचत हो रही है। जो समय पहले पानी लाने में लगता था, अब उसका उपयोग पढ़ाई, रोजगार, बच्चों की देखभाल और आय बढ़ाने वाले कामों में हो रहा है। साथ ही, सुरक्षित पेयजल मिलने से पानी से फैलने वाली बीमारियाँ कम हुई हैं, जिससे लोगों का इलाज पर होने वाला खर्च भी घटा है। इसी तरह स्वच्छ भारत मिशन ने भी देश में बड़ा बदलाव लाया है। इस अभियान ने दिखाया कि लोगों की सोच में बदलाव, जनभागीदारी और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मिलकर बड़े स्तर पर परिवर्तन ला सकती है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के आकलन के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की वजह से 2014 से अक्टूबर 2019 के बीच दस्त से होने वाली 3 लाख से अधिक मौतों को रोका जा सका। घर-घर शौचालय बनने से करोड़ों ग्रामीण महिलाओं को सम्मान, निजता और सुरक्षा मिली। इस तरह स्वच्छता केवल एक सुविधा नहीं रही, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सम्मान का एक बड़ा जनआंदोलन बन गई। गांवों को खुले में शौच से मुक्त बनाने के बाद अब देश स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) 2.0 के तहत ठोस और तरल कचरे के वैज्ञानिक एवं टिकाऊ प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ रहा है।भारत ने जल संरक्षण और भूजल रिचार्ज के क्षेत्र में भी दुनिया के सबसे बड़े अभियानों में से एक चलाया है। 6 सितंबर 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सूरत से 卐जल संचय जन भागीदारी卐 अभियान की शुरुआत की थी। इसके तहत 31 मई 2026 तक देशभर में 1.55 करोड़ से अधिक वर्षा जल संचयन और भूजल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। यह अभियान दिखाता है कि जल संरक्षण में लोगों की भागीदारी और सामूहिक प्रयास कितने प्रभावी हो सकते हैं।इन प्रयासों का सकारात्मक असर अब भूजल की स्थिति में भी दिखाई देने लगा है। हाल के आकलनों के अनुसार, देश के कई हिस्सों में भूजल का स्तर बेहतर हुआ है और जिन क्षेत्रों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा था, उनकी संख्या में भी कमी आई है। यह इस बात का प्रमाण है कि लगातार किए गए जल संरक्षण के प्रयास और जनभागीदारी मिलकर पर्यावरण पर बढ़ते दबाव को भी कम कर सकते हैं। साथ ही, भारत ने लंबे समय से लंबित राष्ट्रीय जल परियोजनाओं को भी तेज़ी से आगे बढ़ाया है। देश की पहली बड़ी नदी जोड़ो परियोजना, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना, तेजी से आगे बढ़ रही है। इसका उद्देश्य बुंदेलखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों तक पानी पहुंचाना है। इसके अलावा, राज्यों के भीतर नदियों को जोड़ने की कई परियोजनाओं में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नमामि गंगे कार्यक्रम ने यह साबित किया है कि पर्यावरण संरक्षण और विकास साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।पिछले एक दशक में 4,260 मिलियन लीटर प्रतिदिन(एमएलडी) सीवेज शोधन क्षमता विकसित की गई है। अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से निकलने वाला जैविक प्रदूषण (बीओडी) 2017 में 26 टन प्रतिदिन से घटकर 2024 में 10.75 टन प्रतिदिन रह गया है। वहीं, उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी (एफ्लुएंट) का उत्सर्जन भी 349 एमएलडी से घटकर 265.56 एमएलडी हो गया है।आज निगरानी के आंकड़े बताते हैं कि गंगा नदी में सभी निगरानी केंद्रों पर पानी का पीएच स्तर और घुली हुई ऑक्सीजन (डीओ) स्नान योग्य मानकों के अनुरूप है। इसके अलावा, देशव्यापी आकलन के अनुसार गंगा में लगभग 6,324 गंगा डॉल्फ़िन पाई गई हैं, जो नदी के बेहतर होते पर्यावरणीय स्वास्थ्य का संकेत है।पिछले कुछ वर्षों में भारत की जल यात्रा दुनिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण सीख बनकर सामने आई है। 21वीं सदी की जल संबंधी चुनौतियों का समाधान अलग-अलग प्रयासों से नहीं हो सकता। पेयजल, स्वच्छता, नदियों का संरक्षण, सिंचाई की बेहतर व्यवस्था, भूजल रिचार्ज, इस्तेमाल किए गए पानी का दोबारा उपयोग और जलवायु परिवर्तन से निपटने की तैयारी—इन सभी को एक-दूसरे से जुड़ी व्यवस्था के रूप में देखना होगा।जलवायु परिवर्तन के दौर में यह समग्र दृष्टिकोण और भी ज़रूरी हो जाता है, क्योंकि दुनिया भर में जल संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। भारत के सामने यह चुनौती और भी बड़ी है। दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है, लेकिन देश के पास दुनिया के कुल मीठे पानी के संसाधनों का केवल लगभग 4 प्रतिशत ही है।तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगिक विकास और बदलते मौसम के पैटर्न आने वाले वर्षों में इन जल संसाधनों पर और अधिक दबाव डालेंगे। इसलिए आज जल क्षेत्र में किया जा रहा निवेश केवल विकास पर होने वाला खर्च नहीं है, बल्कि देश को भविष्य की चुनौतियों के लिए मजबूत बनाने में किया जा रहा दीर्घकालिक निवेश है। पिछले एक दशक में मिली सफलता यह दिखाती है कि जब निस्वार्थ नेतृत्व, जवाबदेह शासन और जनता की सक्रिय भागीदारी एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए साथ आते हैं, तो बड़े और सकारात्मक बदलाव संभव हो जाते हैं।जैसे-जैसे भारत विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहा है, जल उसकी विकास यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।

गहरी यांत्रणा से गुजरना

न्याय होने से पहले न्यूजक्लिक से जुड़े लोगों को गहरी यांत्रणा से गुजरना पड़ा। एक चलती हुई वेबसाइट मृतप्राय हो गई, दर्जनों कर्मचारियों की नौकरी गई, उनमें से बहुतों के यहां छापे पड़े। इनकी भरपाई कैसे होगी? छह साल तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की यांत्रणा झेलने के बाद आखिरकार वेबसाइट न्यूजक्लिक को इंसाफ मिला। मुकदमा खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने महत्त्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। कहा कि न्यूजक्लिक के खिलाफ ना सिर्फ जारी कार्यवाही दुर्भावनापूर्ण है, बल्कि यह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता पर मनमाना हमला तथा शक्ति के दुरुपयोग का मामला भी है। ईडी के आरोपों को 'पूर्णत: गढ़ा हुआ और निराधार' ठहराते हुए न्यायालय ने कहा कि वेबसाइट के खिलाफ दूर से संकेत देने लायक भी कोई सबूत नहीं पेश नहीं किया गया। जबकि आरोप मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक अधिनियम के तहत लगाया गया था। बुधवार को ही हाईकोर्ट की एक दूसरी बेंच ने जम्मू-कश्मीर के मानवाधिकार कार्यकर्ता खुर्रम परवेज पर यूएपीए के तहत जारी मुकदमे में जमानत दे दी। यह मामला पांच साल पुराना हो चुका है, मगर हाई कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि अभी इसमें मुकदमे की कार्यवाही शुरू होने की दूर-दूर तक संभावना नहीं है। इसलिए उच्च न्यायालय ने 'जेल अपवाद और बेल नियम' का सिद्धांत लागू किया। ये दोनों मामले देश में कानून के राज और न्याय की भावना के रोजमर्रा के स्तर पर जारी उल्लंघन की मिसालें हैं। मुद्दा सिर्फ परवेज या उन जैसे लोगों को सताने का नहीं है। सवाल है कि उनके खिलाफ अभियोग पक्ष के पास अकाट्य साक्ष्य हैं, तो न्यायिक कार्यवाही में उन्हें सिद्ध कर कानून सज़ा दिलाने की तत्परता वह क्यों नहीं दिखाता? ऐसा नजरिया क्यों अपनाया गया है, जिससे प्रक्रिया को ही दंड बना देने का अस्वीकार्य चलन अस्तित्व में आया है? यह न्यूजक्लिक की खुशकिस्मती है कि उस पर मुकदमा चला। बहरहाल, न्याय होने से पहले उसके संपादक एवं अन्य पदाधिकारियों को महीनों जेल में गुजारने पड़े, एक चलती हुई वेबसाइट मृतप्राय हो गई, दर्जनों कर्मचारियों की नौकरी गई, उनमें से बहुतों के घर पर छापे पड़े जिससे उनकी प्रतिष्ठा को भारी क्षति पहुंची। आखिर इन सबकी भरपाई कैसे होगी? अत: क्या अब वक्त नहीं आ गया है, जब निराधार आरोप गढ़ने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए? साथ ही जिनकी जिंदगी अस्थिर और परेशान होती है, उन्हें उचित मुआवजा देने का प्रावधान किया जाए?

आलेख

रिफॉर्म एक्सप्रेस के अंतर्गत बढ़ रही न्यायिक सुगमता

अर्जुन राम मेघवाल

न्याय सदा से ही मानव सभ्यता का एक अत्यधिक महत्वपूर्ण और अभिन्न स्तंभ रहा है। हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध परंपरा तथा उसके स्थायी प्रतीक सामूहिक रूप से उन संस्थागत व्यवस्थाओं को दर्शाते हैं जिन्होंने मानव सभ्यता की विकास यात्रा को सही मार्ग पर आगे बढ़ाया, मार्गदर्शन किया और निरंतर आगे बढ़ने में सहायता की। मानव सभ्यता के अनवरत विकास के फलस्वरूप ज्ञान-विज्ञान और तकनीक से समृद्ध आधुनिक समाज में एक-दूसरे से जुड़े व्यक्तियों और समुदायों के आपसी संबंधों में भी विभिन्न विचारों और मतों के कारण परिवर्तन आया है, तथापि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी उन्नति ने देश की सीमाओं से आगे जाकर विचारों के निर्बाध आदान-प्रदान को और अधिक सुगम बनाया है। अनादि काल से, एक विचार की दूसरे विचार पर श्रेष्ठता स्थापित करने की होड़ न्यायशास्त्र के विकास की एक मजबूत नींव रही है। युगों से विचारों और मूल्यों के इस अंतर्संघर्ष के बीच न्यायिक संस्थानों ने सत्य, निष्पक्षता और विधि के शासन में लोगों के विश्वास को पुन: स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाई है। इन्होंने एक सेतु का काम किया है जो प्रत्येक संबंधित पक्ष को, यहाँ तक कि उन लोगों को भी जो स्वयं को अलग-थलग महसूस करते हैं, न्याय और सामूहिक कल्याण की एक व्यापक प्रक्रिया से जुड़ाव, विश्वास और सहभागिता का अनुभव कराता है। इसी स्थायी संस्थागत प्रतिबद्धता के कारण एक ऐसी सशक्त व्यवस्था निर्मित होती है जो न केवल न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करती है बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को सरल और सुगम बनाने के लिए अनिवार्य है। वर्तमान संदर्भ में विकसित भारतीय न्यायशास्त्र ने स्वयं को आधुनिक चुनौतियों और उपलब्ध अवसरों के अनुरूप ढाल लिया है। हमारी संवैधानिक विरासत हमें स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं का स्वप्न साकार करते हुए एक समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में सतत मार्गदर्शन प्रदान करती है। संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय की त्रिवेणी अर्थात राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श संस्थाओं और व्यक्तियों दोनों के लिए एक नैतिक दिशासूचक के रूप में कार्य करते हैं। स्वतंत्र भारत को संविधान के रूप में एक आदर्श मार्गदर्शक प्राप्त हुआ जिसने हमारे राष्ट्र की प्रगति की दिशा निर्धारित की। देश की आजादी के बाद यद्यपि हमने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त कर ली थी, फिर भी गहरी जड़ें जमा चुकी औपनिवेशिक मानसिकता भारतीय चिंतन और मूल्यों के लिए एक बौद्धिक अवरोध बनी रही। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति, उसके बाद भारत के नागरिकों के लिए बनाए गए दंडात्मक कानून तथा विभिन्न नीतियों ने नियमों का एक जटिल जाल बुन दिया, जिसने देश की जनता की स्वतंत्रता को सीमित किया। 19वीं सदी की मानसिकता और 20वीं सदी के कानून 21वीं सदी की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकते। हमें अपनी राष्ट्रीय उपलब्धियों पर अपार गर्व है। फिर भी, जब हम मोदी सरकार की बारह वर्षों की विकास यात्रा पर नजर डालते हैं तो शासन व्यवस्था में एक स्पष्ट और सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है जिसने नागरिकों के जीवन को अनेक स्तरों पर प्रभावित किया है। वर्ष 2014 को हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा। यह वह वर्ष था जबकि देश में युवाओं की विशाल आबादी को देश के विकास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानने वाले तीव्र गति से विकसित हो रहे भारत की पूर्ण क्षमता को साकार करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों को और अधिक प्रभावी और सक्षम बनाया गया। देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में संपूर्ण शासन व्यवस्था ने रिफॉर्म एक्सप्रेस से प्रेरित विकास की प्रक्रिया को तेजी से अपनाते हुए सशक्तिकरण की शक्ति का परिचय दिया है। इसकी यात्रा को संक्षेप में इस प्रकार बताया जा सकता है कि यह जमीनी स्तर से 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ावा देने का प्रयास है। साथ ही, राष्ट्र प्रथम के दृष्टिकोण को शीर्ष स्तर से लागू करना भी इसका उद्देश्य है। इसी प्रकार, भारत की न्यायिक सुधारों की यात्रा भी व्यापकता, नवाचार और गहन सामाजिक एवं सभ्यतागत प्रतिबद्धता की एक प्रेरक गाथा रही है।

प्रगति में जनजातीय समुदाय की भागीदारी

डा. जनक राज

लंबे समय तक सीमा से लगे गांवों को देश का अंतिम छोर माना जाता था, लेकिन अब उन्हें देश के प्रथम गांव के रूप में विकसित करने की सोच अपनाई जा रही है जब देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण हो जाता है कि इस विकास यात्रा में देश के जनजातीय समुदायों की भूमिका क्या होगी? क्या विकास केवल शहरों, औद्योगिक केंद्रों और आर्थिक गलियारों तक सीमित रहेगा या फिर उन दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों तक भी पहुंचेगा, जहां सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने वाले जनजातीय समुदाय निवास करते हैं। हाल ही में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का हिमाचल प्रदेश दौरा इसी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। इस दौरान जनजातीय क्षेत्रों के विकास, संवैधानिक अधिकारों, बुनियादी सुविधाओं और सांस्कृतिक संरक्षण से जुड़े अनेक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। यह केवल एक प्रशासनिक बैठक नहीं थी, बल्कि हिमाचल के जनजातीय भविष्य को नई दिशा देने का अवसर भी था। हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान में जनजातीय समुदायों का विशेष योगदान है। किन्नौर, लाहुल-स्पीति, भरमौर और पांगी जैसे क्षेत्रों ने सदियों से अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपराओं, भाषाओं, लोककला और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित रखा है। इन समुदायों ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीने की ऐसी मिसाल प्रस्तुत की है, जो आज जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट के दौर में पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का विषय बन चुकी है। इसके बावजूद यह भी एक सच्चाई है कि प्रदेश के अनेक जनजातीय क्षेत्र आज भी बुनियादी सुविधाओं, संपर्क व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के साथ हुई चर्चा के दौरान यह बात प्रमुखता से सामने आई कि जनजातीय विकास को केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। यह सामाजिक न्याय, संवैधानिक अधिकारों, सांस्कृतिक संरक्षण और संतुलित विकास का विषय है। अनुसूचित जनजाति का दर्जा केवल एक प्रशासनिक श्रेणी नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, रोजगार, छात्रवृत्तियों, विशेष विकास योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच का माध्यम भी है। हिमाचल प्रदेश में आज भी कुछ ऐसे क्षेत्र और समुदाय हैं जो जनजातीय जीवनशैली, संस्कृति और परंपराओं से गहराई से जुड़े होने के बावजूद अपेक्षित सुविधाओं और अधिकारों से वंचित हैं। विकास के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जनजातीय क्षेत्रों के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किस प्रकार किया जाए। केंद्र सरकार द्वारा जनजातीय उपयोजनाओं और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। आवश्यकता इस बात की है कि यह धनराशि समय पर और प्रभावी ढंग से खर्च हो तथा इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। कई बार योजनाओं और जमीनी क्रियान्वयन के बीच एक बड़ा अंतर दिखाई देता है। यदि विकास का लाभ वास्तव में जनजातीय समाज तक पहुंचाना है, तो स्थानीय समुदायों, पंचायतों और सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी को मजबूत बनाना होगा। जनजातीय क्षेत्रों के विकास की चर्चा सडक़, स्वास्थ्य और शिक्षा के बिना अधूरी है। पांगी, भरमौर और अन्य दूरस्थ क्षेत्रों के लोग आज भी मौसम की मार और भौगोलिक कठिनाइयों के कारण अनेक चुनौतियों का सामना करते हैं। कई गांव ऐसे हैं जहां आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध नहीं हो पातीं। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है और कई बार खराब मौसम के कारण उनका शैक्षणिक जीवन प्रभावित होता है। ऐसी परिस्थितियों में सडक़ और डिजिटल कनेक्टिविटी केवल सुविधाएं नहीं बल्कि विकास की आधारशिला हैं। यदि जनजातीय क्षेत्रों को वर्षभर बेहतर संपर्क उपलब्ध हो जाए तो स्थानीय अर्थव्यवस्था, पर्यटन, कृषि, बागवानी और रोजगार के नए अवसरों को अभूतपूर्व गति मिल सकती है। आधारभूत ढांचे के विकास के साथ-साथ स्वास्थ्य और शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आज भी कई जनजातीय क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है। टेलीमेडिसिन, मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों और आधुनिक स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से इन चुनौतियों को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। इसी प्रकार गुणवत्तापूर्ण विद्यालयों, छात्रावासों, डिजिटल शिक्षा सुविधाओं और कौशल विकास केंद्रों का विस्तार जनजातीय युवाओं के भविष्य को नई दिशा दे सकता है। विकास का वास्तविक अर्थ तभी होगा जब हिमालय के अंतिम गांव में रहने वाला बच्चा भी वही अवसर प्राप्त कर सके जो किसी बड़े शहर में रहने वाले बच्चे को उपलब्ध हैं। आज आवश्यकता केवल सरकारी नौकरियों की नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित करने की भी है। जनजातीय युवाओं ने प्रशासनिक सेवाओं, सेना, शिक्षा, खेल, विज्ञान और उद्यमिता के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। यदि उन्हें अपने क्षेत्रों में ही बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो पलायन की समस्या कम होगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। हिमाचल के जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों के माध्यम से आर्थिक विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। किन्नौरी शॉल, भरमौर और पांगी के ऊनी उत्पाद, लाहुल के आलू और मटर, औषधीय पौधे तथा अन्य पारंपरिक उत्पाद स्थानीय अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बन सकते हैं। केंद्र सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल इन उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। यदि इन उत्पादों को ब्रांडिंग, प्रसंस्करण, विपणन और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाए तो हजारों परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूती देती सरकार

डा. जयंतीलाल भंडारी

उम्मीद करें कि एक जून से 30 अक्टूबर तक कपास के आयात में सीमा शुल्क की छूट से भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को पर्याप्त राहत मिलेगी और विदेशों में भारत के टेक्सटाइल निर्यातक प्रतिस्पर्धी बने रहेंगे यकीनन इस समय सरकार देश के 4.5 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने वाले और करीब 174 अरब डॉलर के बाजार आकार के टेक्सटाइल्स सेक्टर को मजबूती देने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। सरकार ने एक जून से पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित हो रहे टेक्सटाइल सेक्टर को राहत देने और निर्यातकों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए आगामी पांच माह के लिए कपास आयात पर लगने वाले सीमा शुल्क को पूर्ण रूप से माफ कर दिया है। सरकार लगातार मुक्त व्यापार समझौतों (एफ्टीए) में टेक्सटाइल सेक्टर को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ रही है। हाल ही में लागू किए गए नए श्रम कानूनों से टेक्सटाइल सेक्टर को जोरदार बढ़ावा मिलेगा। टेक्सटाइल सेक्टर के विकास के लिए पीएम मित्र पार्क मील का पत्थर हैं। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में टेक्सटाइल सेक्टर के लिए किए गए अभूतपूर्व प्रावधानों का कार्यान्वयन शुरू हो गया है। साथ ही पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के द्वारा टेक्सटाइल सेक्टर में सुधार के लिए उठाए गए बहुआयामी कदम टेक्सटाइल सेक्टर को लाभान्वित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस परिदृश्य के मद्देनजर वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भारत के टेक्सटाइल सेक्टर की रेटिंग बढ़ाई है। इनवेस्टमेंट इनफॉरमेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (आईसीआरए) ने भारत के टेक्सटाइल सेक्टर का आउटलुक 'नेगेटिव' से बढ़ाकर 'स्टेबल' कर दिया है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक जून से भारत और ओमान के बीच सीईपीए (व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता) लागू हुआ है। इस समझौते के तहत ओमान ने भारत के टेक्सटाइल सहित 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर आयात शुल्क पूरी तरह से शून्य कर दिया है। इस शून्य शुल्क व्यवस्था के कारण, ओमान में भारतीय कपड़ों की लागत कम होगी, जिससे आने वाले वर्षों में टेक्सटाइल सहित अन्य वस्तुओं के निर्यात में भारी उछाल आने की उम्मीद है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में ओमान को लगभग 930 रुपए का टेक्सटाइल निर्यात किया था। यह पांच वर्षों में दोगुना हो जाएगा। इसी तरह एफ्टीए वाले अन्य देशों में जीरो या लगभग जीरो ड्यूटी एक्सेस की

व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफ्टीए से टेक्सटाइल निर्यात में भारी उछाल आया है। साथ ही आगामी महीनों में ब्रिटेन, न्यूजीलैंड तथा यूरोपीय संघ के साथ एफ्टीए के क्रियान्वयन से इन देशों को भारत से तेजी से टेक्सटाइल निर्यात बढ़ेगा। खासतौर से यूरोप के 27 देशों के संगठन यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते पर अमल शुरू होने के दो-तीन वर्षों में ही यूरोपीय संघ को भारत से करीब 20 अरब डालर तक का टेक्सटाइल निर्यात बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, इन दिनों अमरीका के साथ जिस द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप दिया जा रहा है, उसके तहत भारत को अमरीका में धागे और कपास से बने कपड़ों पर भारी शुल्क छूट हासिल होगी और टेक्सटाइल निर्यात ऊंचाई पर पहुंचेंगे। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत में टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूती देने के मद्देनजर पिछले माह 9 मई से पूरे देश में जमीनी स्तर पर लागू की गई चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड) अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। इन चार श्रम संहिताओं- मजदूरी संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के तहत नए सरल श्रम कानून टेक्सटाइल उद्योग-कारोबार की मजबूती और विकास की नई संभावनाओं को आकार देने के मद्देनजर महत्वपूर्ण हैं। नए श्रम कानूनों से व्यापार समझौतों का प्रभावी रूप से लाभप्रद क्रियान्वयन होगा। अब तय अवधि के लिए ठेके पर काम करने वाले कामगारों को स्थायी श्रमिकों के बराबर सभी लाभ मिलेंगे और वे 5 साल के बजाय सिर्फ एक साल बाद ग्रेच्युटी पाने के हकदार होंगे। नए श्रम नियम महिलाओं को रात की पाली में काम करने और देश भर में कर्मचारियों के राज्य बीमा लाभों का विस्तार करने की अनुमति भी देते हैं, इन सबसे श्रम की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ेगी और इसका बड़ा लाभ टेक्सटाइल सेक्टर को मिलेगा। यह बात महत्वपूर्ण है कि केन्द्रीय कपड़ा मंत्रालय ने सात मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क स्थापित करने के लिए जो पीएम मित्र पार्क योजना शुरू की है, उसके तहत काम प्रगति पर है और उससे देश के टेक्सटाइल सेक्टर को नई ऊंचाई मिलेगी। पीएम मित्र पार्क प्रधानमंत्री के पांच-एफ विजन-फार्म से फाइबर, फाइबर से फैक्टरी, फैक्टरी से फैशन और फैशन से फॉरेन तक से प्रेरित है। यह एक 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की दृष्टि को पूरा करने और भारत को वैश्विक वस्त्र मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की आकांक्षा रखता है।

जीवन में कम से कम ऐसा पाप मत करना जिसे तुम्हारी आत्मा गवाह ना दें- मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

गुना (विश्व परिवार)। जीवन में कम से कम ऐसा पाप मत करना जिसे तुम्हारी आत्मा गाबाह ना दें इतना कर लिया तो भी आप अपने आप के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं ऐसा कार्य मत करना आपकी आत्मा से आवाज आयेगी यदि आत्मा मना करें तो मत करना दूसरे वो पाप मत करना जिसे तुम्हारे माता-पिता मना करें तीसरा वो काम कभी मत करना जिसे करने पर मां बाप का डर लगे यदि तुम्हारे गुरु हो और ऐसा काम करने में डर लग रहा हो ऐसा पाप मत करना ये महाशक्ति है जिनका नाम लेते जिनकी शरण में जाने से डर लग रहा है ऐसा व्यक्ति संसार का सबसे निकृष्ट व्यक्ति है उक्त आश्य केउद्गार शीतल धाम में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए इसके पहले जहां भगवान श्री शीतल नाथ स्वामी की प्रतिष्ठा पूरे विधि-विधान के साथ परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भ इया के निर्देशन में कि गई इस दौरान इस दौरान सौ धर्म इन्द्र अखलेश जैन महायज्ञ नायक डॉ प्रीतेश जैन मुख्य यजमान डॉ राहुल जैन ने विद्वानों के मंत्रोच्चार के बीच सम्पूर्ण पूजन विधान का कार्य अग्रिम पंक्ति में बैठकर किया।

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में चल रहे पंच मुखी पंच कल्याणक महोत्सव में आज भगवान श्री शीतल नाथ जिनालय की प्रतिष्ठा हो रही है अठ्ठाईस जून को दोपहर चार बजे मुनि सुब्रत नाथ जिनालय पर परम पूज्य निर्यापक श्रमण राष्ट्र संत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ अठराह पिच्छिकाओ का दर्शन लाभ लेने के लिए लोकप्रिय जन नायक केन्द्रीय मंत्री श्री मंत ज्योतिरादित्यजी सिंधिया का आगमन होगा इस दौरान परम पूज्य गुरुदेव के मंगल आशीर्वचन भी हम सब भक्तों को श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा महा महोत्सव के प्रमुख एस के जैन महामंत्री प्रदीप जैन एडवोकेट कोषाध्यक्ष संजीव वगुल्या मन्दिर कमेटी के प्रमुख मनोज स्वराज तरुण जैन जैन समाज के नेता अनिल जैन रुप श्री अखिलेश जैन गोशाला अध्यक्ष अरविंद जैन महोत्सव के प्रमुख पात्र टीटू म्यान शैलेन्द्र पाटई महावीर वेल्कम सहित अन्य प्रमुख जनो ने सभी से उपस्थित रहने का निवेदन किया है।

उत्साह, उमंग, उन्नति उत्सव और उल्लसित वातावरण के साथ मनाया गया नेवई में प्रवेशोत्सव

नवई (विश्व परिवार)। विद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-2027 के शुभारंभ अवसर पर शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन उत्साह, उमंग एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत कर उन्हें विद्यालय से जोडना तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति जागरुकता बढाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित कर किया गया। सरस्वती वंदना कक्षा भाठवी की छात्रा यादिति हर्षिता तीक्षा आदि ने किया। तत्पश्चात कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर पुष्पमालाओ एवं मिठाई वितरण के साथ स्वागत किया गया। पार्षद श्रीमान राहुल जी ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को शिक्षा के महत्व तथा नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया । पार्षद परमेश्वर जी ने शिक्षा से उज्जवल पहचान के विषय में बच्चों को बताया / पालक समीति के अध्यक्ष श्रीमान रानू धनकर जी ने अपने उद्‌बोधन में कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है।

विधायक प्रतिनिधि प्रेमलाल निर्मलकर जी ने कहां की हम सब बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबह है। श्रीमान भूपेंद्र वेलचंदन जी ने अपने उद् ?बोधन में शिक्षा के आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने का संदेश दिया। प्रधानपाठक श्रीमती दीप्तिरानी खोब्रागडे ने बच्चों को शाला नियमित आने एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखने के लिए समझाया । श्रीमान संजय यादव ने बालिकाओं को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग देने के लिए संकल्प लिया। डॉ नीलांजना जैन ने वर्तमान परिवेश को देखते हुए मानवीय मूल्यों के महत्व को समझाते हुए प्रतिदिन 10 मिनट ध्यान का महत्व समझाया एवं पालको को भी प्रतिदिन ध्यान करने का सुझाव दिया।

दीपिका सोनी भाजपा रायपुर जिला शिक्षा प्रकोष्ठ की सह-संयोजक नियुक्त

- जवाहर नगर मंडल,संगठन और समाजसेवियों में हर्ष

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा जवाहर नगर मंडल अंतर्गत तात्यापारा वार्ड क्रमांक 36 की वरिष्ठ, सक्रिय एवं समर्पित महिला नेत्री श्रीमती दीपिका सोनी जी को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए भाजपा रायपुर जिला शिक्षा प्रकोष्ठ में सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति पर जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष श्री संदीप जंघेल एवं मीडिया प्रभारी श्री प्रणीत जैन सहित वार्ड व क्षेत्र के समस्त कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। श्रीमती दीपिका सोनी बहुमुखी प्रतिभा की धनी और समाज सेवा के क्षेत्र में एक जाना-पहचाना

नाम हैं। वे वर्तमान में डी.डी. नगर स्थित रॉयल कान्वेंट हाई स्कूल की डायरेक्टर हैं और सन 2000 से लगातार शिक्षा के क्षेत्र में निर्धन बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा दान देने का अनुकरणीय कार्य कर रही हैं।

संगठन के प्रति निष्ठावान श्रीमती सोनी इसके पूर्व भी कई महत्वपूर्ण पदों पर समाज और संस्कृति के संरक्षण का कार्य कर रही हैं। तथा श्री बालक भगवान छत्तीसगढ़िया सोनार समाज (छत्तीसगढ़) की प्रदेशाध्यक्ष के रूप में भी समाज को नई दिशा दे रही हैं।

कोविड आपदा के समय उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए नि:शुल्क भोजन व्यवस्था, राशन सामग्री, दवाइयां तथा हर संभव प्रशासनिक व चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई थी। तथा बस्तियों में जन-जागरण लाने, संस्कार कक्षाएं संचालित करने तथा बंद पड़े मंदिरों में पुन: संध्या आरती शुरू कराने में उनकी मुख्य भूमिका रही है। जनवरी 2021 के श्री राम जन्मभूमि अयोध्या निधि समर्पण अभियान से लेकर श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पावन अक्षत वितरण तक, उन्होंने हर गली-मोहल्ले और बस्ती में जाकर रामत्व का संदेश प्रसारित किया।

श्रद्धा का जन्म सत्य के गर्भ से होता है, मान्यता के गर्भ से नहीं: जैन मुनि नेपाल केसरी डॉ. मणिभद्र महाराज

रायपुर। सर्वोदय शांति पदयात्रा विचरण करते हुए रायपुर पहुंच गई। जैन मुनि नेपाल केसरी डॉ. मणिभद्र महाराज के नेतृत्व में चल रही यह सर्वोदय शांति पदयात्रा नेपाल से लगभग 1600 किलोमीटर की दूरी तय करके छत्तीसगढ़ पहुंची है। इस समय वे रायपुर के पटवा भवन में हैं साथ ही प्रवचन के माध्यम से लोगों तक मनुष्य भव के महत्व को पहुंचा रहे हैं।

उन्होंने श्रद्धा- मान्यता नहीं, सत्य के अनुभव से जन्मी आस्था विषय पर कहा कि श्रद्धा का जन्म सत्य के गर्भ से होता है, मान्यता के गर्भ से नहीं।

श्रद्धा कोई उधार लिया हुआ विश्वास नहीं है। वह मन की ऐसी भावदशा है, जो सत्य के प्रत्यक्ष अनुभव से जन्म लेती है। सत्य से उत्पन्न श्रद्धा अटूट, अकाट्य और अडिग होती है। उसे कोई छीन नहीं सकता, कोई तर्क विचलित नहीं कर सकता और कोई परिस्थिति डिगा नहीं सकती।

भगवान महावीर ने इसी सत्य से जन्मी आस्था को सम्यक श्रद्धा कहा है। श्सम्यकश् अर्थात् वह, जिसकी जड़ें सत्य में हों। इसके विपरीत जो श्रद्धा केवल सुनी-सुनाई बातों, परंपराओं या मान्यताओं पर आधारित हो, वह मिथ्या श्रद्धा है। मान्यता बदलते ही ऐसी श्रद्धा भी बदल जाती है। इसलिए मान्यता पर टिकी आस्था परिस्थितियों के पहले ही झोंके में डगमगा जाती है।

आज अधिकांश लोग मान्यता से उपजी श्रद्धा को ही धर्म समझ बैठे हैं। परिणामस्वरूप छोटी-सी चुनौती आते ही उनकी आस्था टूट

जाती है। मान्यताएं बदलती रहती हैं और उनके साथ श्रद्धा भी खिसकती रहती है। ऐसी श्रद्धा व्यक्ति को स्थिरता नहीं देती।

श्रद्धा का एक दूसरा आधार भय भी बन जाता है। नरक का भय, दुख का भय, संकट का भय या किसी अनिष्ट की आशंका, इन सबके कारण भी लोग धार्मिक दिखाई देते हैं। किंतु भय से उत्पन्न आस्था भी वास्तविक श्रद्धा नहीं है। जहां भय है, वहां स्वतंत्रता नहीं; जहां स्वतंत्रता नहीं, वहां सत्य का अनुभव भी संभव नहीं।

सच्ची श्रद्धा केवल सत्य के अनुभव से जन्म लेती है। जैसे किसी ने स्वयं मधु का स्वाद चखा हो, तो संसार का कोई व्यक्ति उसे यह विश्वास नहीं दिला सकता कि मधु कड़वा है। वह दूसरों पर क्रोधित नहीं होगा, बल्कि मुस्कुरा देगा, क्योंकि सत्य का अनुभव उसके भीतर स्थापित हो चुका है। उसी प्रकार जिस सत्य को व्यक्ति स्वयं जान लेता है, वहां श्रद्धा स्वत: प्रकट हो जाती है।

आज संसार में हर ओर आग्रह दिखाई देता है, किसी धर्म पर श्रद्धा करो, किसी ग्रंथ पर श्रद्धा करो, किसी परंपरा को मानो। कोई अपने धर्म को अंतिम सत्य बताता है, तो कोई अपनी मान्यता को ही मोक्ष का एकमात्र मार्ग घोषित करता है। किंतु श्रद्धा आदेश से पैदा नहीं होती। श्रद्धा किसी पर थोपने की वस्तु नहीं, बल्कि अनुभव का विषय है। वह स्वाद है, जिसे स्वयं चखना पड़ता है।

इसी सत्य का सजीव उदाहरण चम्पा के सुदर्शन सेठ हैं। जब वे भगवान महावीर के दर्शन के लिए निकले, तब सभी ने उन्हें रोका। कहा गया कि मार्ग में अर्जुन मालाकार है, जो मृत्यु का प्रतीक बन चुका है। माता-पिता, पत्नी और यहां तक कि सम्राट श्रेणिक ने भी उन्हें समझाया। लेकिन सुदर्शन सेठ कैसे रुकते? उन्होंने महावीर के सत्य का अनुभव किया था।

छह माह से लापता नाबालिग रायपुर से सकुशल बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़ (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे 'ऑपरेशन संवेदना' के तहत रायगढ़ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब छह माह से लापता 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को रायपुर से सकुशल बरामद कर लिया। मामले में बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले एक युवक और बाद में उसका शारीरिक शोषण करने वाले दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल सोनी एवं डीएसपी श्री सुशांतो बनर्जी के मार्गदर्शन में थाना पूंजीपथरा पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, 17 दिसंबर 2025 को दर्ज शिकायत में बताया गया था कि 15 दिसंबर को स्कूल से लौटने के बाद नाबालिग घर नहीं पहुंची। जांच में सामने आया कि घनश्याम उर्फ सोनू बैरागी उसे मोटरसाइकिल से अपने साथ ले गया था। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लगातार तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने कई बार रायपुर में विभिन्न स्थानों पर खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। लगातार पतासाजी, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर विशेष टीम ने 24 जून 2026 को रायपुर के सरोरा (उरला) स्थित अशोक पाइप प्लांट क्षेत्र से नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया।

महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में MAICON 1.0 राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (MAIC)] रायपुर के इ्क्नूष्ट एवं रिसर्च सेल के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "MAICON 1.0" का शुभारंभ 26 जून 2026 को हुआ। सम्मेलन का विषय "Artificial Intelligence & Digital Transformation: Opportunities, Challenges and Future Impact" रखा गया है। यह सम्मेलन 26 एवं 27 जून 2026 तक हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के शिक्षाविद्, शोधकर्ता, उद्योग विशेषज्ञ एवं विद्यार्थी ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से सहभागिता कर रहे हैं।

सम्मेलन का उद्घाटन छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चैधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा स्वागत नृत्य, सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक संस्था के चेयरमैन डॉ. रमेश अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल तथा सचिव श्रीमती सरिता अग्रवाल हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. जैस्मिन जोशी संरक्षक, उप-प्राचार्या डॉ. श्वेता तिवारी संयोजक, डॉ. ऋषि दीवान पाण्डेय, श्रीमती वर्तिका श्रीवास्तव एवं डॉ. प्राची सिंग सह-संयोजक तथा श्रीमती अनुराधा दीवान एवं श्री हसन रजा आयोजन सचिव की भूमिका निभा रहे हैं।

अपने स्वागत उद्बोधन में प्राचार्या डॉ. जैस्मिन जोशी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की वास्तविकता है। विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को इसके अवसरों और चुनौतियों को समझते हुए नैतिक एवं जिम्मेदार उपयोग के लिए तैयार करना समय की आवश्यकता है।

वैद्यों के हित में योजनाओं की कार्ययोजना और भविष्य के रोडमैप पर हुई महत्वपूर्ण बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा 24 जून को रायपुर में वैद्यों के हितकारी योजनाओं की कार्ययोजना एवं भविष्य के रोडमैप पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने की। इस अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों एवं सुदूर अंचलों से आए 8 वैद्य संघों के 60 प्रतिनिधि वैद्य शामिल हुए।वैद्य समुदाय के योगदान का किया गया सम्मानबैठक के प्रारंभ में बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम एवं उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला ने सभी वैद्य प्रतिनिधियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे. ए. सी. एस. राव ने बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए वैद्यों के संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।पारंपरिक ज्ञान को सहेजने के लिए आयोजित हो रहे वैद्य सम्मेलनमुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि पारंपरिक उपचार पद्धतियों और औषधीय ज्ञान को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से नियमित रूप से वैद्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक कुल 11 वैद्य सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 1 राज्य स्तरीय, 6 संभाग स्तरीय और 4 जिला स्तरीय सम्मेलन शामिल हैं।

आदर्श घर वही है.. जहाँ अतिथियों का निरंतर पदार्पण होता हे..! अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ की अहिंसा संस्कार पदयात्रा दिक्षा भुमी परतापुर बांसवाड़ा से पुष्पगिरी की और चल रही है उसी श्रुंखला में आज सारंगी तहसील पेटलावद मध्य प्रदेश में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि महावीर जैसे अतिथि को पाकर चंदनबाला जैसी अबला निहाल हो जाया करती है, तो ऋषभदेव जैसे परम अतिथि की पूजा कर राजा श्रेयांश अमरत्व का वरदान पा जाते हैं।

भारतीय संस्कृति में अतिथि को देवता का स्थान दिया गया है। कहा भी गया है — अतिथि देवो भव:। यदि शत्रु भी अतिथि बनकर घर आ जाए, तो वह भी

प्रेम, आदर और सम्मान का अधिकारी होता है। जिस घर में दान-पुण्य न होता हो, अतिथियों के चरण न पड़ते हों और मुनिराजों का प्रवेश न होता हो, वह घर नहीं, श्मशान के समान है । उसे आदर्श घर कहने की भूल कभी मत करना।

अतिथियों को भोजन कराना केवल पुण्य संचय का माध्यम ही नहीं, बल्कि आत्मिक आनंद का भी अनुपम स्त्रोत है। यूँ तो सैकड़ों लोगों को भोजन करा देने पर भी जो आत्मतृप्ति नहीं मिलती, वह एक मुनिराज, त्यागी या व्रती को श्रद्धापूर्वक एक ग्रास अर्पित करने से प्राप्त हो जाती है। यदि आज आपकी थाली में चार रोटियाँ हैं, तो यह भी संभव है कि किसी पूर्व जन्म में आपने किसी अतिथि को श्रद्धा से एक रोटी दान में दी हो । दान, विशेषकर आहार-दान की महिमा और उसका प्रभाव इतना अद्भुत है कि उसे शब्दों में पूर्णत: व्यक्त नहीं किया जा सकता। इसलिए— जो अतिथियों को खिलाकर स्वयं खाते हैं.. ट्ठवे जीवनभर खिल-खिलाकर जीते हैं...!!! आज यह अंतर्मना-अहिंसा-संस्कार पदयात्रा दिशा- सोनकच्छ, पुष्पगिरी तीर्थ मध्यप्रदेश की ओर बढते गुरु चरण परम पूज्य गुरुदेव भारत गोरव विश्व के सर्वश्रेष्ठ तपस्वी उत्तम सिंह निष्क्रिडित व्रत्तकर्ता अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज जी चतुर्विध संघ का भव्य मंगल पद विहार दिनाँक , शाम 5.30 बजे शकुंतला ऐज्युकेशन गुप्र, पेटलावद, जिला- झाबुआँ, मध्य प्रदेश, से श्री साँवरिया मेरिज गार्डन, सारंगी, तहसील-पेटलावद,जिला झाबुआँ मध्यप्रदेश 10.5 किलोमीटर के लिए होगा। ऐसी जानकारी प्रचार प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ने दी है।

राज्यपाल डेका ने सक्ती जिले के अधिकारियों से की चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज लोकभवन में वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से सक्ती जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ चर्चा कर जनकल्याणकारी योजनाओं के 22 प्रमुख बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी ली। राज्यपाल ने जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छोटे कर्मचारी से लेकर वरिष्ठ अधिकारी सभी शासकीय कर्मचारी एक पेड़ मां के नाम अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें व अपने कार्यालय एवं निवास में पेड़ लगाकर हरियाली प्रसार में योगदान करें। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि जिले में प्री मानसून, पोस्ट मानसून जल स्तर का आकंलन किया जाए। प्रधानमंत्री आवासों में वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली विकसित की

जाए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसके लिए अभी से प्रभावी कदम उठाया जाएं। उन्होंने सभी शासकीय भवनों एवं निवास स्थान के परिसर के कवर्ड एरिया में हरियाली प्रसार के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। जनजातीय एवं वन क्षेत्रों में पुराने वेटलैड, तालाब, कुंआ आदि जलस्त्रोतों के पुर्नजीवन के लिए ''वीबी-जी राम जी'' के तहत कार्य कराने के निर्देश भी दिए। राज्यपाल ने कहा कि महिला स्व सहायता समूहों की आय बढ़ाने के लिए नवाचार आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। केवल परंपरागत कार्यो तक सीमित रहने के बजाए ऐसे व्यवसायों को बढ़ावा दिया जाए जिनमें संभावनाएं ज्यादा हो। महिलाओं को नए एवं अधिक लाभकारी उद्यमों से जोड़ने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

जगदलपुर केंद्रीय जेल में कैदी पीते मिले गांजा, 14.1 ग्राम गांजा जब्त

जगदलपुर । केंद्रीय जेल जगदलपुर में हाल ही में हुए कैदी के भागने और मौतों के मामलों की जांच करने प्रशासनिक अधिकारियों की औचक छापेमारी के दौरान नशाखोरी का बड़ा मामला सामने आया है। जांच के दौरान कई कैदी कथित तौर पर गांजा पीते हुए पाए गए, जिसके बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले की जांच के लिए तैयार की गई एसडीएम की रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण खुलासे किए गए हैं। जब जांच दल जेल पहुंचा, तो उप जिलाधिकारी भी वहां की स्थिति देखकर चकित रह गए। जांच दल ने पाया कि जेल की बैरकों में कैदी आराम से बैठकर गांजा फूंक रहे थे। वहां तैनात सिपाहियों के खड़े रहने के बावजूद किसी भी कैदी को कोई रोक-टोक नहीं की जा रही थी। बैरक संख्या सात के पास गांजे की एक पुडिया भी मिली। जब्त किए गए गांजे का वजन 14.1 ग्राम था। इस गांजे को जब्त करने के बाद कोतवाली में अज्ञात गांजा तस्कर के खिलाफमामला दर्ज किया गया है। यह घटना जेल में सुरक्षा के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

मनरेगा कर्मचारियों के हित में सरकार की संवेदनशील पहल

कोंडागांव। मनरेगा (स्न्नहक्रश्वन्न) कर्मचारियों और श्रमिकों के परिवारों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा कई संवेदनशील पहल की गई हैं। काम के दौरान किसी अनहोनी (मृत्यु) की स्थिति में उनके आश्रितों को अनुग्रह अनुदान/मुआवजा और अन्य लाभ दिए जाने का प्रावधान है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने मार्गदर्शन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों के कल्याण और उनके परिवारों की सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण सामने आया है। जनपद पंचायत केशकाल में पदस्थ रहे दिवंगत सहायक प्रोग्रामर (मनरेगा) दीपक मरकाम के असामयिक निधन के पश्चात उनके परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया गया।

गरियाबंद की नगर पंचायतों में महिला प्रतिनिधित्व शून्य, मनोनीत पार्षदों की सूची पर उठे सवाल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले की नगर पंचायतों में मनोनीत पार्षदों की नियुक्ति को लेकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। हाल ही में जारी सूची में नगर पंचायत छुरा, कोपरा और देवभोग में एक भी महिला को मनोनीत पार्षद नहीं बनाए जाने पर विपक्षी दलों और महिला संगठनों ने भाजपा सरकार को घेरते हुए इसे महिला विरोधी सोच का परिचायक बताया है।

महिला संगठनों का आरोप है कि एक ओर केंद्र और राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण, नारी सम्मान और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर वास्तविक अवसर मिलने पर महिलाओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया जाता है। उनका कहना है कि तीनों नगर पंचायतों में केवल पुरुष कार्यकर्ताओं को मनोनयन का अवसर दिया गया, जबकि लंबे समय से संगठन और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय कई महिला कार्यकर्ताओं को कोई स्थान नहीं मिला।

स्थानीय महिला नेताओं का कहना है कि पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात लगातार की जाती रही है। सरकार महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में अपेक्षित गंभीरता दिखाई नहीं दे रही। उनका मानना है कि यदि मनोनयन प्रक्रिया में महिलाओं को पर्याप्त अवसर मिलता तो स्थानीय निकायों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दे अधिक मजबूती से उठाए जा सकते थे।

राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण होती है। इसके बावजूद मनोनीत पार्षदों की सूची में महिलाओं का पूरी तरह अनुपस्थित होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

विपक्षी दलों ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी चुनावी मंचों पर महिला सम्मान की बातें करती है, लेकिन निर्णय लेने वाले पदों पर महिलाओं को पर्याप्त अवसर नहीं देती। उन्होंने मांग की है कि भविष्य में मनोनीत पार्षदों की नियुक्ति में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाए और सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिले।

वहीं भाजपा नेताओं का कहना है कि मनोनयन प्रक्रिया निर्धारित मानदंडों के अनुरूप की गई है और संगठन में महिलाओं को सम्मानजनक स्थान दिया जाता है। हालांकि नगर पंचायत छुरा, कोपरा और देवभोग में महिलाओं को मनोनीत पार्षद नहीं बनाए जाने के सवाल पर पार्टी की ओर से अब तक कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

फिलहाल यह मुद्दा जिले की राजनीति का प्रमुख विषय बन चुका है। महिला संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सरकार से मनोनयन प्रक्रिया पर पुनर्विचार करने और स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। आने वाले दिनों में यह मामला जिले की राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र बना रह सकता है।

105 वारंटियों पर पुलिस का शिकंजा: एक हफ्ते में बड़ी कार्रवाई, 8 स्थायी और 97 गिरफ्तारी वारंट तामिल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले में फरार वारंटियों के खिलाफ गरियाबंद पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देश पर जिले के सभी थाना प्रभारियों ने अलग-अलग टीमें गठित कर लंबे समय से फरार आरोपियों की तलाश तेज की। अभियान के तहत महज एक सप्ताह के भीतर कुल 105 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार वारंटियों में 8 स्थायी वारंट तथा 97 गिरफ्तारी वारंट के आरोपी शामिल हैं। सभी के खिलाफ लंबे समय से न्यायालय द्वारा जारी वारंट लंबित थे। गिरफ्तार आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया गया।

जानकारी के अनुसार, कई वारंटी पुलिस से बचने के लिए लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग स्थानों पर रह रहे थे। पुलिस की विशेष टीमों ने तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र की मदद से सुराग जुटाते हुए सभी आरोपियों को धर दबोचा।

पुलिस का यह विशेष अभियान जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से लगातार जारी है। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी फरार अपराधियों के खिलाफ इसी तरह सघन कार्रवाई जारी रहेगी।

पनारा पारा की रहने वाली एक महिला गांजा रखे हुए कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़ी

जगदलपुर। पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा नशे तथा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध व्यापक रूप से लगातार कार्यवाही किया जा रहा है जो इसी तारतम्य में अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने वाली महिला पर कार्यवाही करने में बस्तर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

ज्ञात हो कि थाना कोतवाली जगदलपुर को सूचना प्राप्त हुआ था कि एक महिला पनारापारा जगदलपुर में मेहरून कलर का साड़ी पहनी है, अपने घर के बाहर स्कूल के पीछे गली में एक कत्था रंग का प्लास्टिक झोला में अवैधरूप से मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने खड़ी हैं, कि सूचना पर पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के दिशानिर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन में एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार डी धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोतवाली लीलाधर राठौर के नेतृत्व में महिला पुलिस सहित टीम गठित कर, कार्यवाही हेतु टीम रवाना किया गया था जो उक्त टीम के द्वारा मिले सूचना स्थान के पास पहुंचकर घेराबंदी कर मुखबिर द्वारा बताए महिला को घेराबंदी कर पकड़ा गया, जिनसे पूछताछ करने पर अपना नाम श्रीमति सुकल दई पति स्वर्गीय मिट्ठू राम बघेल उम्र 50 साल पता पनारापारा जगदलपुर जिला बस्तर (छ.ग.) का होना बताया जिसके कब्जे से प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ, जो बरामद हुए गांजा के संबंध में पूछताछ करने पर रखने के संबंध में कोई वैधानिक प्रत्युत्तर नहीं दिया गया तथा अवैध मादक पदार्थ गांजा को बिक्री करना स्वीकार करने से उक्त प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा को 20.बी.।।.बी एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत् जप्त कर आरोपीया को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में माननीय विशेष न्यायालय एनडीपीएस, जगदलपुर भेजा गया है।

तेज रफ्तार कार और बाइक में भिड़ंत, एक की मौके पर ही मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

जगदलपुर। परपा थाना क्षेत्र के आरापुर में बीती रात एक तेज रफ्तार कार व बाइक में भिड़ंत हो गई। इस घटना में जहाँ एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वही दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुँचकर शव को पीएम के लिए भेजा गया, वही घायल को बेहतर उपचार के लिए मेकाज लाया गया। मामले की जानकारी देते हुए परपा थाना प्रभारी ने बताया कि बड़े आरापुर निवासी जयसिंह कच्छ 18 वर्ष अपने घर में 6 भाई बहनों में सबसे बड़ा था। बीती रात उसका दोस्त उसे लेने के लिए घर आया हुआ था। जिसे लेकर राजुर जा रहा था। तभी जगदलपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ़्तार कार ने ठोकर मार दिया। इस घटना में जयसिंह की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगो ने पुलिस को सूचना दिया। जहां पुलिस ने मौके पर पहुँचकर मामले को शांत कराते हुए शव को पीएम घर भेज दिया। जबकि आरोपी कार चालक को ले जाया गया।

जगदलपुर में साइबर ठगों का नया पैंतरा, नकली ई-चालान भेजकर लोगों को बना रहे शिकार परिवहन विभाग ने जारी की एडवायजरी

जगदलपुर। यदि आपके मोबाइल पर भी अचानक कोई ई-चालान भुगतान करने का मैसेज आया है, तो बेहद सावधान हो जाइए क्योंकि यह आपके बैंक खाते को खाली करने की साइबर अपराधियों की एक सोची-समझी साजिश हो सकती है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में आम नागरिकों और वाहन चालकों के लिए एक बेहद जरूरी सुरक्षा चेतावनी जारी की गई है। विभाग के मुताबिक, आजकल कुछ साइबर अपराधी आम नागरिकों को भ्रमित करने के लिए नकली यानी फर्जी ई-चालान लिंक भेज रहे हैं, जिन्हें मुख्य रूप से एसएमएस, व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया माध्यमों से अज्ञात मोबाइल नंबरों द्वारा भेजा जाता है। ये फर्जी लिंक हुबहू असली सरकारी पोर्टल की तरह दिखने वाली नकली वेबसाइटों पर ले जाते हैं, जहां नागरिकों को डरा-धमकाकर उनके बैंकिंग और कार्ड विवरण चोरी करने का प्रयास किया जाता है।

परिवहन विभाग ने साइबर ठगों के इस जाल को पहचानने के लिए कुछ महत्वपूर्ण संकेत भी साझा किए हैं। ऐसे फर्जी लिंक अक्सर किसी अज्ञात मोबाइल नंबर या व्हाट्सएप नंबर से आते हैं और इनके यूआरएल में आधिकारिक जीओवी डॉट इन की जगह अलग और संदिग्ध डोमेन जैसे कि डॉट एक्सवायजेड, डॉट क्लिक, या डॉट लाइव का इस्तेमाल किया जाता है। नागरिकों को मानसिक दबाव में लेने के लिए इन संदेशों में संदेह में तुरंत भुगतान करने या ऐसा न करने पर सीधे कानूनी कार्रवाई की धमकी दी जाती है। जैसे ही कोई उपयोगकर्ता इस लिंक को खोलता है, वेबसाइट पर सीधे कार्ड या यूपीआई डिटेल्स मांगी जाती है, और कई मामलों में तो एपीके फाइल या कोई ऐप डाउनलोड करने को कहा जाता है जो असल में एक खतरनाक मालवेयर हो सकता है।

परिवहन विभाग ने इस गंभीर खतरे को देखते हुए नागरिकों को सख्त हिदायत दी है कि वे ई-चालान से संबंधित किसी भी सूचना या भुगतान के लिए केवल आधिकारिक पोर्टल द्धह्लह्लश्चह्य://द्गष्द्धड्डद्यद्यड्डठ्ठ-श्चड्डह्द्ब1ड्ड-द्धड्डठ्ठ.द्द1.द्धठ्ठ या फिर राज्य पुलिस और परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करें। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नागरिक अपना ओटीपी, कार्ड नंबर या सीवीवी किसी भी परिस्थिति में किसी के साथ साझा न करें और किसी भी अज्ञात नंबर से आए ऐसे संदिग्ध संदेशों को तुरंत डिलीट कर दें। यदि इसके बावजूद कोई व्यक्ति किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से पीड़ित होता है, तो वह तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर सकता है या बलइमतबतपउमण्हवअण्पद पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने सभी वाहन चालकों और नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी अफवाहों या फर्जी लिंक्स पर बिल्कुल विश्वास न करें, किसी भी सूचना को केवल आधिकारिक स्रोतों से ही सत्यापित करें और खुद सुरक्षित रहने के साथ-साथ दूसरों को भी जागरूक बनाएं।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग कवर्धा (छ०ग०)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक- / 3549 /NIT- 07 /2026-27/ व ले लि — दिनांक : 24/06/2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:- 06.07.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि:- 13.07.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 14.07.2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा कारो की श्रेणी :- 'द' श्रेणी से "अ" तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) अमानत राशि(रू.मे) बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	2	3
7 T0030	ग्राम सैगोना में किशोर न्याय बोड भवन का निर्माण कार्य – द्वितीय आमंत्रण (समय 4 माह)	8.75 6565.00 131250.00
7 T0031	लोक निर्माण विभाग उप संभाग बोड़ला के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई कार्य – द्वितीय आमंत्रण (समय 8 माह)	5.90 5000.00 88500.00
7 T0032	लोक निर्माण विभाग उप संभाग पंडरिया के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई कार्य – द्वितीय आमंत्रण (समय 8 माह)	4.29 4290.00 64350.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाइट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

G-262701729/2

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग संभाग कवर्धा

खपरीकला में जनता के बीच पहुंचे सांसद बृजमोहन, माइक लेकर पूछा- योजनाओं का लाभ मिल रहा है कि नहीं

■ खपरीकला और मोहदी के विकास के लिए सांसद बृजमोहन ने 45 लाख रुपये की घोषणा की

रायपुर (विश्व परिवार)। सांसद बृजमोहन अग्रवाल गुरुवार को रायपुर लोकसभा क्षेत्र के विकासखंड तिल्दा (नेवरा) अंतर्गत ग्राम खपरीकला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित विशेष जनसंपर्क अभियान में मंत्री श्री टंक राम वर्मा के साथ शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र की सभी नौ विधानसभाओं में एक-एक गांव जाकर मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जनता के बीच रखने का निर्णय लिया गया है। खपरीकला इस अभियान का नौवां गांव है।

कार्यक्रम के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल मंच तक सीमित नहीं रहे बल्कि स्वयं माइक लेकर जनता के बीच पहुंचे और सीधे ग्रामीणों से पूछा कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन योजना, जल जीवन मिशन, शौचालय निर्माण, गैस कनेक्शन और अन्य योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। ग्रामीणों ने एक स्वर में योजनाओं का लाभ मिलने की पुष्टि की।

सांसद ने सरपंच से चर्चा करते हुए बताया कि खपरीकला में 120 प्रधानमंत्री आवास बन चुके हैं तथा 387 नए आवास स्वीकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी का सपना है कि कोई भी गरीब परिवार बिना पक्के घर के न रहे। हर घर में शौचालय, नल, बिजली और गैस कनेक्शन पहुंचे, इसके लिए लगातार काम हो रहा है। महिलाओं से संवाद करते हुए उन्होंने महतारी वंदन योजना का उल्लेख किया और पूछा कि एक हजार रुपये प्रति माह मिल रहे हैं या नहीं। महिलाओं ने योजना का लाभ मिलने की पुष्टि की। सांसद ने कहा कि यह योजना माताओं-बहनों के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनी है।

आपातकाल विषय परआयोजित निबंध प्रतियोगिता के विद्यार्थी होंगे मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित

■ 28 जून को मुख्यमंत्री करेंगे लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित - उपासने

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिवस माने जाने वाले 25 जून 1975 को लगाये गये आपातकाल की स्मृति को जीवित रखने तथा नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस तथा 26 जून को आपातकाल स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है ।

लोकतंत्र प्रहरी के राष्टीय अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने कहा कि 26 जून 1975 से मार्च 1977 तक चल 21 माह के आपातकाल को देश कभी मूल नहीं कर सकता उस कालखंड में नागरिक स्वतंत्रताओं का हनन किया गया एवं हजारों लोकतंत्र समर्थकों को मीसा अन्य कठोर कानूनों के अत्तर्गत जेलों में बद किया गया तथा प्रस की स्वतंत्रता पर अभूतपूर्व प्रतिबंध लगाए गए। समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लागू कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल दिया गया। उपासने ने बताया कि लोकतंत्र सेनानियों को गाननीय मुख्यमंत्री द्वारा 28 जून को प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी आयोजित भव्य सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा साथ ही इस अवसर पर आपातकाल मोड़ा सदर्भ ग्रंथ स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा। विशेष आकर्षण यह होगा की लोकतंत्र सेनानी राघ व प्रहरी के संयुक्त तत्वाधान में विद्यालय व महाविद्यालय स्तर पर प्रदेश स्तर की आपातकाल कभी विस्मृत न हो एवं 25 जून संविधान हत्या दिवस की प्रासंगिकता इन विषयों पर निका प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

उद्योग नीति एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने पर विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) की रायपुर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आज 26 जून 2026 को बॉम्बे मार्केट स्थित चैधरी देवीलाल व्यापार उद्योग भवन में एमएसएमई दिवस के उपलक्ष्य में, अर्ध दिवसीय महत्वपूर्ण संगोष्ठी एमएसएमई महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग संचालनालय रायपुर के अतिरिक्त संचालक श्री शिव कुमार राठौर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एमएसएमई डीएफओ के संयुक्त संचालक श्री एल.के. परगनिहा उपस्थित रहे जो छत्तीसगढ़ में उद्यमियों के विकास, मार्गदर्शन और विभिन्न सरकारी योजना के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अतिथियों का स्वागत चेम्बर और आईसीएआई के पदाधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की मूर्ति की पूजा अर्चना कर, दीप प्रज्वलन कर विधिवत रूप से किया गया।

आईसीएआई की रायपुर शाखा अध्यक्ष सी.ए. रश्मि वर्मा एवं सचिव सी.ए. ऋषिकेश यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए और इस संयुक्त प्रयास को व्यापारियों व प्रोफेशनल्स के हित में एक मील का पत्थर बताया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने कहा कि एसएमई केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ है।

संयुक्त संचालक को टीईटी उत्तीर्ण शिक्षक साझा मंच द्वारा ज्ञापन सौंपा गया

दुर्ग (विश्व परिवार)। आज दिनांक 24.06.2026 को टीईटी उत्तीर्ण शिक्षक साझा मंच द्वारा संयुक्त संचालक महोदय दुर्ग को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि शिक्षकों की पदोन्नति में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का पालन किया जाए। दिनांक 01.04.2026 की स्थिति में वरिष्ठता सूची का प्रकाशन हो तथा वरिष्ठता सूची में टीईटी पेपर-1/पेपर-2 उत्तीर्ण/वर्ष का कालम अनिवार्य रूप से जोड़ा जाये। चुंकि सुर्प्रीम कोर्ट ने टीईटी मामले की सुनवाई करते हुए दिनांक 01.09.2025 को अपने निर्णय में कहा है कि पद में बने रहने व पदोन्नति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी उत्तीण होना अनिवार्य है। अत: सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का पालन करते हुए शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा में वरिष्ठता सूची जारी करते हुए पदोन्नति प्रदान करने की मांग संयुक्त संचालक महोदय से की है। आदरणीय जस्टिस श्रीमान दीपांकर दत्ता जी सुर्प्रीम कोर्ट ने भी अपने निर्णय में कहा है कि शिक्षा गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता तथा विशेषज्ञों का मानना है कि सुर्प्रीम कोर्ट के निर्णय से आने वाले समय में टीईटी की अनिवार्यता से बचना मुश्किल होगा। ज्ञापन सौंपने वालो ने दुर्ग संभाग के शिक्षकगण उपस्थित रहे। शिक्षक चेमन साहू, नागेन्द्र साहू, अगनू राम साहू, लूकेश कौशिक, बलराम बघेल, दौलत कुमार साहू, नदिम खान, जितेन्द्र कुमार दहाट, कामता साहू, श्रीमती पर्वत साहू, उत्तम ठाकुर, नारायण प्रसाद देवांगन, हेमनाथ गौआर्य, होसलाल खांडे, नरेन्द्र देवांगन, नेमीचंद टण्डन, चेमन कुमार जंघेल आदि उपस्थित थे।

अप्रशिक्षित शीर्ष नेता कार्यकर्ताओं को क्या सिखाएंगे: विजयशंकर मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर पर तीखा कटाक्ष कर कहा है कि जो पार्टी दशकों तक अपने ही जमीनी कार्यकर्ताओं को भूल चुकी थी और उन्हें सिर्फ एक वोट बैंक व दरी उठाने वाला समझती रही, वह आज प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं में सम्मान की भावना जगाने का ढोंग कर रही है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि वस्तुत: देश और प्रदेश की जनता द्वारा बार-बार नकारे जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी तरह से हताश और निराश हो चुके हैं। अपनी इस राजनीतिक जमीन को खिसकता देख कांग्रेस अब पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक ढाँचे और प्रशिक्षण शिविरों की नकल करने पर उतारू हो गई है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने कहा कि बड़ी अजीब विडंबना है कि राहुल गांधी, सचिन पायलट और अलका लांबा जैसे नेता, जिन्हें खुद राजनीतिक मर्यादा, नीति और संगठन का कोई व्यावहारिक प्रशिक्षण नहीं है, अब अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने का दावा कर रहे हैं। जो खुद अप्रशिक्षित हैं, वे दूसरों को क्या दिशा देंगे? क्या इस प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं को एक बार फिर से वही पुराना कांग्रेस मार्ग यानी भ्रष्टाचार करने की नई तकनीकें सिखाई जाएंगीं?

बिजली विभाग के अनियमित संविदा कर्मचारियों को तत्काल नियमित करें: धनंजय सिंह ठाकुर

रायपुर (विश्व परिवार)। बिजली विभाग के अनियमित संविदा कर्मचारियों के हड़ताल को भाजपा सरकार की वादाखिलाफी को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बिजली विभाग के अनियमित एवं संविदा कर्मचारी भाजपा सरकार के वादाखिलाफी के कारण हड़ताल कर रहे है, उनको ढाई साल से गारंटी पूरा करने के नाम से धोखा दिया जा रहा है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी बताकर बिजली विभाग सहित सभी विभागों के कर्मचारियों को 100 दिन में नियमित करने का वादा किया था। आज ढाई साल बाद स्थिति यह है। अनियमित कर्मचारियों को नियमित होने का नियुक्ति पत्र के बजाय हड़ताल करने पर नौकरी से बेदखल करने का नोटिस दिया जा रहा है। आउटसोर्सिंग से भर्ती 15 सालों से संविदा में काम कर रहे कर्मचारियों को नौकरी से हटाने का षड्यंत्र रचा जा रहा है।

कृषि महाविद्यालय रायपुर में अनुसंधान उत्कृष्टता, नवाचार एवं सतत फसल स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेष व्याख्यान आयोजित

रायपुर(विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन तथा कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे की प्रेरणा से कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में एक विशिष्ट व्याख्यानमाला (स्द्गष्ह्लह्वह्लद्ग का शुभारंभ किया गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों में शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार, व्यावसायिक विकास तथा बौद्धिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना है।

इस व्याख्यानमाला के अंतर्गत कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं, उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों तथा विशिष्ट पेशेवरों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इन विशेषज्ञों के साथ नियमित संवाद के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों में उभरती प्रवृत्तियों, समकालीन चुनौतियों, तकनीकी प्रगति, अनुसंधान अवसरों तथा कैरियर संभावनाओं की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

अमिताभ दुबे का सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में सम्मान किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्यों के लिए देश के शीर्ष पांच पर्यावरण योद्धाओं में चयनित एवं पर्यावरण रत्न सम्मान-2026 से सम्मानित ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे का संस्था परिवार द्वारा सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में भव्य सम्मान समारोह आयोजित कर अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक एवं प्रतिष्ठित उद्यमी श्री राजेश अग्रवाल ने ग्रीन आर्मी की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की यात्रा को साझा करते हुए कहा कि यह सम्मान संस्था के हजारों स्वयंसेवकों की वर्षों की मेहनत, समर्पण और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह उपलब्धि संस्था की जिम्मेदारियों को और बढ़ाती है तथा सभी सदस्यों को और अधिक उत्साह के साथ कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में साकार हो रहे गरीबों के सपने

■ प्रधानमंत्री आवास योजना से अमृतलाल के परिवार को मिला सम्मानपूर्ण जीवन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के माध्यम से हजारों परिवारों के पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गौरेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडरीपानी निवासी अमृतलाल का परिवार इसका प्रेरणादायी उदाहरण है। वर्षों तक कच्चे मिट्टी के मकान में कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने वाला यह परिवार आज प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बने मजबूत एवं सुरक्षित पक्के घर में सम्मान और खुशहाली के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है।

बीते 24 जून को पंडरीपानी में आयोजित विशेष ग्राम सभा के दौरान कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे ने अमृतलाल के नए आवास का अवलोकन किया। उन्होंने परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अमृतलाल ने बताया कि पहले उनका परिवार कच्चे मिट्टी के मकान में रहता था। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था, दीवारों में सीलन आ जाती थी और पूरे परिवार को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी और सुरक्षित जीवन जीना भी चुनौती बना रहता था। आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि स्वयं पक्का मकान बनवा सकें।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत होने के बाद उनका वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ। योजना की सहायता से उन्हें मजबूत, सुरक्षित और सुविधायुक्त पक्का घर मिला।

अग्नि सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं का औचक निरीक्षण लगातार जारी

रायपुर (विश्व परिवार) राज्य शासन एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य शासन एवं रायपुर जिला प्रशासन, जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा के दिशा - निर्देश पर नगर निगम रायपुर क्षेत्र में अग्निशमन विभाग एवं अन्य विभागों की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से कोचिंग सेंटर में अग्नि सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं का लगातार औचक निरीक्षण जारी है.

आज इस क्रम में नगर निगम जोन 1 क्षेत्र में कृतविद्या कोचिंग सेंटर, जोन 2 क्षेत्र में फुदान और उड़ान कोचिंग सेंटर का औचक निरीक्षण किया गया और संचालकों को नियमानुसार कड़े निर्देश स्थल पर दिए गए.

जोन 7 क्षेत्र में दिल्ली आईएएस अकादमी स्टडी पॉइंट कोचिंग सेंटर का औचक निरीक्षण कर सम्बंधित संचालकों को कड़े निर्देश दिए गए.

जोन 3 क्षेत्र में शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड क्रमांक 33 में आनंद नगर में चाणक्य कोचिंग सेंटर में औचक निरीक्षण किया गया, जहां फायर ऑडिट सर्टिफिकेट नहीं दिखाया गया. वहाँ फायर सेफ्टी सिस्टम, होस पाईप, अलार्म, स्पिंकलर लगा हुआ पाया गया, निकास द्वार में फर्नीचर रखा मिला, सम्बंधित

तकनीकी रूप से सशक्त कार्यकर्ता ही बदलती राजनीतिक व्यवस्था और नए भारत की रीढ़: जगन्नाथ पाणिग्राही

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही ने कहा है कि पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत पार्टी अपने प्रत्येक कार्यकर्ता को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस महाभियान के अंतर्गत शुरू किए गए विशेष डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यकर्ताओं को तेजी से डिजिटल बनाने और उन्हें नई तकनीकों से जोड़ने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री पाणिग्रही ने कहा कि आज का युग सूचना और संचार क्रांति का युग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करते हुए भाजपा अपने संगठन को भी पूरी तरह हाईटेक कर रही है। इस डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का मुख्य उद्देश्य हमारे जमीनी कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाना है, ताकि वे सरकारी योजनाओं और पार्टी की विचारधारा को जनता के बीच अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकें। श्री पाणिग्रही ने कहा कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से गाँव और बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी अपने मोबाइल फोन के जरिए सीधे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है। कार्यकर्ताओं को पार्टी के गौरवशाली इतिहास, अंत्योदय के सिद्धांत, देशहित की नीतियों और केंद्र व राय सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी ऑडियो-वीडियो और डिजिटल कंटेंट के रूप में दी जा रही है। इसी तरह, कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया के सही और सकारात्मक उपयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे विपक्ष के भ्रामक प्रचार और अफवाहों का तथ्यपूर्ण जवाब भी डिजिटल माध्यमों पर दे सकें।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-116-26-27, दिनांक: 23.06.2026

कार्य: 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/हॉर्टिकल्चर/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत महाप्रबंधक कार्यालय के हॉर्टिकल्चर जोनल कार्यों का निष्पादन । निविदा मूल्य (रू): 55,25,302.80/-, अमानत राशि (रू): 1,10,500/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह ।

क्र.सं. (2) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-117-26-27, दिनांक: 23.06.2026

कार्य: 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/हॉर्टिकल्चर/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अधिकारियों के बंगलो और स्टाफ क्वार्टरों के रखरखाव के साथ साथ हॉर्टिकल्चर जोनल कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्य (रू.): 1,20,44,114.50/-, अमानत राशि (रू.): 2,40,900.00/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह।

क्र.सं. (3) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-118-26-27, दिनांक: 23.06.2026

कार्य: 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई/हॉर्टिकल्चर/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ऑफिस एकोमोडेशन, सर्विस बिल्डिंग, खेल के मैदान और इको पार्क के रखरखाव के साथ साथ हॉर्टिकल्चर जोनल कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्य (रू.): 1,04,48,055.04/-, अमानत राशि (रू.): 2,09,000.00/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह । निविदा जमा की आरंभ तिथि:- दिनांक: 07.07.2026 से । निविदा जमा की अंतिम तिथि:- दिनांक: 21.06.2026 के 11:00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है । उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/239 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 27 जून 2026

शासकीय पॉलीटेक्निक गरियाबंद को राज्य में मिला 9वां स्थान

गरियाबंद (विश्व परिवार)। भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए राज्य के सभी 54 शासकीय एवं अशासकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों का गैप विश्लेषण, रैंकिंग एवं ग्रेडिंग के लिए मूल्यांकन किया गया। संस्थानों की अधोसंरचना, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा संबंधित दस्तावेजों के परीक्षण के बाद शासकीय पॉलीटेक्निक गरियाबंद को राज्य स्तर पर 9वां स्थान प्राप्त हुआ है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर संस्था के प्राचार्य ने क्यूसीआई मूल्यांकन प्रक्रिया में योगदान देने वाली टीम को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

आवास मेला-2025 के भाग्यशाली हितग्राहियों को भी दिए उपहार

सीएम साय ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के नवीन लोगो का किया विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा न्यू सर्किट हाउस परिसर, नवा रायपुर अटल नगर में मंडल के नवीन लोगो के विमोचन एवं आवास मेला-2025 के भाग्यशाली हितग्राहियों को उपहार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के नवीन लोगो का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी तथा मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने मंडल द्वारा संचालित योजनाओं एवं नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि नवीन लोगो मंडल की नई सोच, विकास की दिशा और जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इस अवसर पर यह भी उल्लेख किया गया कि आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के प्रयासों से छत्तीसगढ़ विधानसभा में विधेयक पारित कर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड का नाम परिवर्तित कर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल किया गया है। इस संबंध में राजपत्र अधिसूचना का प्रकाशन 17 मार्च 2026 को किया गया तथा 24 अप्रैल 2026 को विधानसभा से प्रकाशित राजपत्र में इसकी स्वीकृति प्रदान की गई। इस महत्वपूर्ण बदलाव के साथ मंडल अब केवल आवास निर्माण तक सीमित न रहकर अधोसंरचना विकास के विविध क्षेत्रों में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा। छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा मंडल के कार्यों को व्यापक विस्तार देने एवं आवास निर्माण के साथ-साथ अधोसंरचनागत विकास के कार्यों में सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अधिनियम, 1972 में आवश्यक संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई है।

तरुण प्रकाश द्वारा मरौदा-ताड़ोकी रेल सेक्शन का संरक्षा एवं रेल विकास कार्यों का निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में आज दिनांक 26 जून 2026 को महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश द्वारा मरौदा से ताड़ोकी रेल सेक्शन का संरक्षा एवं रेल विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया गया ।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने मरौदा रेलवे स्टेशन पर चल रहे अमृत भारत स्टेशन योजना के विकासात्मक कार्य, अप्रोच रोड़, आर आर आई, रेलवे स्टेशन परिसर का गहनता से निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण की कड़ी में बालोद रेलवे स्टेशन, दल्लीराजहरा रेलवे स्टेशन में चल रहे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर किए जा रहे सौंदर्यीकरण एवं विकासात्मक कार्यों यात्री सुविधाओं में वृद्धि, रेलवे स्टेशनों में सुगम्य प्रवेश आसानी से टिकट लेने, प्रतीक्षालय की व्यवस्था, रेल परिचालन संबंधित, यात्री सुविधा व संरक्षा संबंधित कार्यों पर आवश्यक दिशा निर्देश की अनुपालना हेतु संरक्षा कोटि के रेल कर्मियों तथा रेलवे ट्रैक पर काम कर रहे ट्रैकमेनो से संरक्षा विषयों पर संवाद किये । बालोद रेलवे स्टेशन पर व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों चेंबर ऑफ कॉमर्स, नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षद सहित स्थानीय गणमान्य लोगों ने महाप्रबंधक महोदय से रेल के विकासात्मक कार्यों पर चर्चा की।

एवं संयुक्त चालक दल लॉबी में लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर के ड्यूटी मैनेजमेंट, यार्ड रिमॉडलिंग पर चर्चा की। भानुप्रतापपुर रेलवे स्टेशन पर बस्तर क्षेत्र के मीडिया सदस्यों से चर्चा की। रेलवे सुरक्षा बल बैरक में रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को दी जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया।ताड़ोकी रेलवे स्टेशन पर स्थानीय सुरक्षा बल, सहस्त्र सीमा बल के अधिकारियों से चर्चा की।

नव ग्रह प्रवेश के अवसर पर सिद्ध चक्र विधान का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। राजनांदगाँव से लब्ध प्रतिष्ठित समाज सेवी परिवार श्री प्रकाश चंद जैन (पप्पू भईया) श्रीमती संध्या श्री अमित जैन श्रीमती शैली जैन के नये आवास विद्या छाया 32 बंगला परिसर अशोका रतन रायपुर मे गृह प्रवेश के अवसर पर 25 जून से 27 जून तक सिद्ध परमेष्ठी की आराधना हेतु तीन दिवसीय 1008 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का मंगलमयी आयोजन किया जा रहा है । विधान जी की सभी क्रियाएं बाल.ब्र. श्री अरूण भईया जी (कटंगी) के मार्गदर्शन एवं बा ब्र. सुनील भईया जी की विशिष्ट उपस्थित मे संपन्न की जा रही है । इस अवसर पर संबंधीजनों के साथ अशोका रतन कालोनी निवासी समाज सेवी जन भाग ले रहे है । आगत जनों का स्वागत श्री सुभाष चंद, संजय, संदीप, अविनाश जैन समस्त परिवार जनों द्वारा किया गया ।

अलका लाम्बा, सांसद शशिकांत सेंथिल व वामची रेड्डी प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए

- कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण का 7वां दिन

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के 7 वें दिन महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लाम्बा, कांग्रेस कनेक्ट सेन्टर के प्रभारी शशिकांत सेंथिल और राष्ट्रीय सचिव वामची रेड्डी ने जिला अध्यक्षों को पार्टी की रीति-नीति और संगठन की मजबूती के गुर सिखाया। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि संगठन सृजन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी ने आपको जिला अध्यक्ष के रूप में अवसर दिया है। आपको मिल अवसर का उपयोग संगठन की मजबूती के लिए करना है। उन्होंने कहा की मोदी के राज में देश में महिलायें असुरक्षित हुई है। आप सबको

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए आवाज उठाये। अनुशासन संगठन की सर्वोपरि है, सभी को अनुशासन के साथ संगठन को मजबूत करना है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी जिला अध्यक्षों के ट्रेनिंग में व्याख्यान दिया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 28 जून को सम्बोधित करेंगे, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव भी प्रशिक्षण शिविर में व्याख्यान दे चुके है, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू ने भी प्रशिक्षण शिविर में व्याख्यान दिया। जिला अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर 29 जून तक चलेगा। अभी तक छत्तीसगढ़ का राजनैतिक इतिहास, संविधान, विभिन्न राजनैतिक मामलों, राज्य के ज्वलंत मुद्दों, संगठन के स्ट्रक्चर एवं आगामी आंदोलन की रूपरेखा जैसे विषयों पर व्याख्यान हो चुका है।

बिलासपुर में नकली सोने की माला बेचकर 3-लाख की ठगी

बिलासपुर (विश्व परिवार)। बिलासपुर में नकली सोने की माला को असली बताकर व्यापारी से तीन लाख रुपए की ठगी कर ली। ठगों ने भरोसा जितने के लिए पहले दुकानदार को असली सोने का एक छोटा टुकड़ा दिया, जिसकी सोनार से परख कराने पर असली निकला। बाद में ठगों ने माला को असली बताकर उसे बेच दिया। बाद में सोनार ने माला को नकली बताया। इस मामले में पुलिस ने ठगों पर केस दर्ज कर लिया है। मामला सकरी थाना क्षेत्र का है।पुलिस के अनुसार सकरी के बंधवापारा निवासी अनिल विश्वकर्मा अपने घर में जनरल

स्टोर का चलाता है। करीब एक सप्ताह पहले दो अनजान युवक उसके घर पहुंचे और एक चांदी का सिक्का दिखाकर उसके बारे में पूछताछ की। बातचीत के दौरान उनकी नजर घर में रखे माला के चित्र पर पड़ी, जिस पर उन्होंने बताया कि उनके पास भी ऐसी ही एक माला है, जिसे वे बेचना चाहते हैं।

तीया एवं तेरहवीं

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे यहाँ श्री नरेन्द्र कुमार जैन (नवभारत प्रेस) का आकस्मिक निधन दिनांक 24 जून 2026, बुधवार को हो गया है । जिनका तीया एवं तेरहवीं का कार्यक्रम 27 जून 2026, शनिवार को सुबह 10 बजे रखा गया है ।

कार्यक्रम स्थल - श्री विद्यासागर हॉल
श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मालवीय रोड, रायपुर

- शोकाकुल परिवार -
श्रीमती कांतादेवी जैन (पत्नि)
प्रीतम कुमार जैन, महेन्द्र कुमार जैन (भाई)
नीलेश कुमार जैन, प्रशांत जैन (पुत्र)
नीलिमा जैन, श्रीमती नलिनी जैन (पुत्री)
श्रद्धेय जैन (भतीजा)
एवं समस्त जैन परिवार

स्वास्थ्य विभाग खुद बीमार हो गया हैः सत्य प्रकाश

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्य प्रकाश सिंह ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में जांच और इलाज नहीं हो पा रहा। प्रदेश नकली दवाओं का केंद्र बन चुका है, राजधानी सहित सभी मेडिकल कॉलेजों में, हर सरकारी अस्पताल में लगातार नकली दवाएं मिल रही है।

मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा, मेकाहारा जैसे अस्पताल में दवाई और सुविधाओं का अभाव है। स्वास्थ्य मंत्री व्यवस्था सुधारने के बजाय उस पर पर्दा डालने में लगे है। मेकाहारा जैसे अस्पताल में एमआरआई और सीटी स्कैन की फिल्म तक नहीं है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि दवा के नाम पर ज़हर दिया जा रहा है, नकली अमानक, गुणवत्ताहीन, फंगस लगे दवा का वितरण मरीजों को किया जा रहा था, इतने गंभीर विषय पर यह सरकार गंभीर नहीं है, महिनो बाद तक न किसी की जिम्मेदारी तय की गई, न ही कोई कार्यवाही हुई। छोटे-छोटे बच्चों को जो कृमि की जो दवाइयां खिलाई गई हैं, जांच में अमानक पाया गया, डायरिया पीड़ित मरीजों को दी गई दवाओं में फंगस मिला, कई एंटीबायोटिक दवाओं से मरीजों को एलर्जी हो रही है।

नवकार ज्वेलर्स की प्रथम वर्षगांठ बनेगी यादगार, अभिनेत्री श्वेता तिवारी करेंगी रायपुर की सिंड्रेला का ऐलान

रायपुर (विश्व परिवार)। शहर के प्रतिष्ठित ज्वेलरी प्रतिष्ठान नवकार ज्वेलर्स अपनी शानदार सफलता के एक वर्ष पूर्ण होने पर 27 जून को भव्य प्रथम वर्षगांठ समारोह का आयोजन करने जा रहा है। ग्राहकों के अपार स्नेह और विश्वास से सफलता का यह एक वर्ष पूरा करने पर नवकार ज्वेलर्स ने अपने ग्राहकों के लिए यादगार आयोजन की तैयारी की है। इस विशेष अवसर पर लोकप्रिय अभिनेत्री श्वेता तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगी। नवकार ज्वेलर्स अपने प्रथम वर्षगांठ समारोह को यादगार बनाने के लिए अनेक आकर्षक गतिविधियों और विशेष सरप्राइज का

आयोजन कर रहा है। शोरूम के संचालक श्री प्रीतम जैन ने बताया कि समारोह का सबसे खास आकर्षण होगा रायपुर की सिंड्रेला प्रतियोगिता, जिसमें चयनित प्रतिभागियों में से चार भाग्यशाली विजेताओं का चयन लकी ड्रा के माध्यम से किया जाएगा। इन चारों विजेताओं को अभिनेत्री श्वेता तिवारी स्वयं रायपुर की सिंड्रेला का क्राउन पहनाकर सम्मानित करेंगी। इतना ही नहीं, विजेताओं को लकी ड्रा में जीती हुई डायमंड रिंग भी श्वेता तिवारी अपने हाथों से पहनाकर इस पल को हमेशा के लिए यादगार बना देंगी।

नाला पाटकर भूमि पर बिल्डर का अवैध कब्जा महापौर ने अधिकारियों को जमकर फटकारा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 7 क्षेत्र अंतर्गत डॉ ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्षेत्र में महोबा बाजार ब्रिज के पास रेलवे पटरी के समीप राजीव नगर क्षेत्र के नाले को बिल्डर द्वारा पाटकर सफाई बाधित कर दिए जाने और नाले की भूमि पर अवैध कब्जा कर लिए जाने की जानकारी भूमि का सीमांकन जनशिकायत को बारिश पूर्व नाला सफाई निरीक्षण के दौरान तत्काल संज्ञान में लेकर महापौर श्रीमती मीनल चौबे द्वारा दिए गए निर्देश पर करवाए गए भूमि की सीमांकन कार्रवाई में प्राप्त हुई है. सीमांकन कराने से जानकारी मिली है कि महोबा बाजार नाले पर बिल्डर ने कब्जा कर लिया है.महापौर के दौरे के बाद नगर निगम को भूमि का सीमांकन करने पर यह जानकारी मिली कि बिल्डर ने नाले को पाटकर अवैध कब्जा कर लिया है, महापौर ने तत्काल अवैध कब्जा को हटाने के सख्त निर्देश नगर निगम जोन 7 अधिकारियों को दिए हैं.

मैट्स विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर के मैट्स स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन नेक्स्ट जेनरेशन कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज (ICNGCT-2026) का शुभारंभ आज हुआ। इस सम्मेलन में देश-विदेश के शोधार्थियों, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लेकर नवीनतम तकनीकी नवाचारों, शोध निष्कर्षों तथा उभरती हुई कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों पर विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन के संयोजक एवं मैट्स स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ओमप्रकाश चंद्राकर ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं को अपने नवाचारों एवं शोध कार्यों को साझा करने तथा तकनीकी प्रगति में योगदान देने हेतु एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) के. पी. यादव ने विभिन्न अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने शोधार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, क्लाउड कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर सुरक्षा, डेटा साइंस एवं इंटेलिजेंट ऑटोमेशन जैसे क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण एवं नवाचार आधारित शोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों में राष्ट्र निर्माण एवं समाज के विकास की अपार संभावनाएँ निहित हैं। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) संजय कुमार ने अपने मुख्य व्याख्यान में भारत द्वारा की गई महत्वपूर्ण तकनीकी खोजों एवं उपलब्धियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत विश्व स्तर पर तकनीकी नवाचारों के क्षेत्र में निरंतर अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने शोधार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे ऐसे शोध विषयों का चयन करें जो भारत की प्रगति, आत्मनिर्भरता एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ बनाने में सहायक हों। सम्मेलन के प्रथम दिवस में दो तकनीकी शोध-पत्र प्रस्तुति सत्र आयोजित किए गए, जिनमें शोधकर्ताओं द्वारा नेक्स्ट जेनरेशन कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज से संबंधित अनेक उच्च गुणवत्ता वाले शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। प्रस्तुत शोध-पत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग, डेटा साइंस एवं बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड एवं एज कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स , साइबर सुरक्षा एवं ब्लॉकचेन तकनीक, हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, इंटेलिजेंट सिस्टम्स एवं ऑटोमेशन तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं उद्योग में एआई के अनुप्रयोग जैसे विषय प्रमुख रहे।

कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
फोन : 9827143060/8871003060

25 वर्ष का अनुभव RIFCO TAX CONSULTANTS Since 1998
GST
ITR
फाइल बनवाएं मात्र 500/-
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
- Income Tax फाइल - GST रजिस्ट्रेशन - TDS Return
- CMA Data - MSME Registration - Balance Sheet
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट-GST Return - फूड लाइसेंस
संपर्क : शेखर गुप्ता Whatsaap पर बनवाएं
WWW.ONLYTDS.COM
9300755544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354